संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 94 मंगलवार 04 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

निर्वाचन आयोग ने एग्जिट पोल के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)। निर्वाचन आयोग ने 5 फरवरी (बुधवार) को दिल्ली विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु की दो उपचुनाव सीटों पर मतदान के दौरान सुबह 7: 00 बजे से शाम 6:30 बजे तक एग्जिट पोल के संचालन, प्रकाशन या प्रचार-प्रसार पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की है।

22 जनवरी को जारी अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत, मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व किसी भी चुनाव संबंधी सामग्री, जिसमें किसी भी प्रकार के ओपिनियन पोल या अन्य सर्वेक्षण के परिणाम शामिल हैं, को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित करना प्रतिबंधित रहेगा।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास को ब्रेन हेमरेज

अयोध्या,03 फरवरी 2025(ए)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें ब्रेन हेमरेज के कारण सांस लेने में कठिनाई हुई, जिसके बाद उन्हें अयोध्या के श्री राम अस्पताल में भर्ती कराया गया।प्रारंभिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ के उच्च चिकित्सा संस्थान में रेफर किया गया।

कलयुगी पिता ने नाबालिग बेटी से किया दुष्कर्म

पत्नी ने भिजवाया जेल

देवरिया,03 फरवरी 2025(ए)। यूपी के देवरिया में पिता-पुत्री के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता पर अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि पीड़िता की मां ने लगाया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अभियोग पंजीकृत करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

अंतिम संस्कार को लेकर दो भाइयों के बीच विवाद

पुलिस को दखल देना पड़ा

टीकमगढ़,03 फरवरी 2025(ए)। टीकमगढ़ में पिता की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लेकर उनके दो बेटों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। विवाद इतना बढ़ा कि बड़ा लडका पिता के शव को काटकर जलाने की जिद करने लगा। यह देख गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस की समझाइश के बाद मृतक का अंतिम संस्कार हो पाया।

कांग्रेस विधायक के बेटे ने की आत्महत्या

पटना,03 फरवरी 2025(ए)। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के बेटे आयान जाहिद खान (20) ने आत्महत्या कर ली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आयान ने अपने कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। हालांकि, आत्महत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। इस घटना के बाद परिवार में गहरा शोक है।

महाकुंभ भगदड़ मामले को लेकर हंगामा

» हंगामे के बाद संसद से किया किया वाकआउट

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)। संसद का बजट सत्र सोमवार को प्रचंड विरोधों के साथ फिर से शुरू हुआ, जिसमें विपक्षी सांसदों ने पिछले सप्ताह प्रयागराज में हुए महाकुंभ मेला भगदड़ की घटना को लेकर तीव्र प्रदर्शन किया, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना ने जोरदार बहस को जन्म दिया, विपक्ष ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाबदेही की मांग की।

महाकुंभ भगदड़ मामले में लोकसभा में भगदड़ पर हंगामा

सत्र की शुरुआत होते ही विपक्षी सांसदों ने लोकसभा के वेल में घुसकर कुंभ पे जवाब दो जैसे नारे लगाए। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार मृतकों की आधिकारिक सूची जारी करे, आरोप लगाते हुए कि उत्तर प्रदेश प्रशासन ने मृतकों की पुष्टि में देरी की और वास्तविक मृतक संख्या को छिपाया हो सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सांसदों से सदन में आदेश बनाए रखने की अपील की और विपक्ष को सत्र में व्यवधान डालने के लिए आड़े हाथों लिया। संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने भी शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विरोध जारी रहा।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने विरोध का नेतृत्व किया और कहा कि महाकुंभ हादसे को बजट चर्चाओं से कहीं अधिक तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। कई मिनटों तक नारेबाजी के बाद यादव और उनके पार्टी सदस्य एक प्रतीकात्मक वॉक-आउट पर गए, फिर थोड़ी देर बाद लौट आए।

बजट सत्र से पहले यादव ने पत्रकारों से कहा, इस समय बजट से कहीं ज्यादा अहम बात है। महाकुंभ में लोग अभी भी अपने रिश्तेदारों की तलाश कर रहे हैं। कई लोग मारे गए, लेकिन सरकार मृतकों और लापता लोगों की सही संख्या देने में असफल रही है। सरकार को जागना चाहिए।

जनता ने आपको टेबल तोड़ने के लिए नहीं भेजा है...हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों को ओम बिरला की खरी-खरी

बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही का सोमवार को हंगामेदार आगाज हुआ. लोकसभा स्पीकर ओम बिरला जैसे ही सदन में आए और अपने आसन पर आसीन हुए, विपक्षी सांसदों ने प्रयागराज महाकुंभ की घटना में मौतों को लेकर चर्चा की मांग शुरू कर दी. विपक्ष के हंगामे पर ओम बिरला ने कहा, जनता ने आपको टेबल तोड़ने के लिए नहीं भेजा है.

अखिलेश यादव का बीजेपी पर हमला

अखिलेश यादव, जो भारतीय जनता पार्टी के आलोचक रहे हैं, ने उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार दोनों से यह मांग की कि महाकुंभ मेला के प्रबंधन को सेना के हवाले किया जाए, ताकि बेहतर समन्वय और भीड़ नियंत्रण हो सके। यह पहला मौका है जब संतों ने शाही (अमृत) स्नान में भाग लेने से इंकार किया है। सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है, यादव ने कहा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी हमला बोला और उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नैतिक रूप से विफल हो गए हैं। सवाल अब यह है कि वे कब राजनीतिक रूप से भी हटेंगे? सरकार मृतक संख्या छिपा रही है क्योंकि वे मुआवजा देना नहीं चाहती ।

केजरीवाल और मोदी एक सिक्के के दो पहलू

विकास से इनका कोई वास्ता नहीं:खड़गे

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)। नई दिल्ली के मुस्तफाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आप और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और पीएम मोदी, ये दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं। केजरीवाल कहते हैं कि हरियाणा से आने वाले पानी में जहर मिलाया गया है। वहीं पीएम मोदी कहते हैं कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं। जबकि ये दोनों झूठ बोलते हैं, क्योंकि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों ने दिल्ली की भलाई के लिए कुछ नहीं किया। जो किया, केवल कांग्रेस ने ही किया है। इसलिए आप दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनाइए, तब देखिए हम कैसे विकास के काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया बहुत कमजोर हो गया है। यहीं नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो कहते थे कि कांग्रेस सरकार में रुपया पतला हो गया है। हमारी कांग्रेस सरकार में एक डॉलर की कीमत 60 रुपये के करीब थी और आज एक डॉलर 86 रुपये के पार है। इसलिए नरेंद्र मोदी को आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। वह केवल सत्ता और कुर्सी के लिए लड़ते हैं, जबकि कांग्रेस का मकसद जनता की सेवा करना है।खड़गे ने आगे कहा कि मोदी व केजरीवाल सत्ता और अधिकार के लिए लड़ते हैं, जबकि दूसरी ओर हमारे पास सोनिया गांधी जैसी नेता हैं, जिन्हें दो बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला,लेकिन उन्होंने पद लेने से इनकार कर दिया और अपनी जगह मनमोहन सिंह जैसे अर्थशास्त्री को प्रधानमंत्री बनाया। सोनिया गांधी ने हमेशा पार्टी और देश की भलाई को प्राथमिकता दी, जबकि भाजपा के नेता सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं। अगर आप संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं, तो कांग्रेस को समर्थन करिए। कांग्रेस देश के भविष्य को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है और कांग्रेस के उम्मीदवार जनता के हित में काम करेंगे।

वहीं कांग्रेस सांसद अजय माकन ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की नीतियों पर तीखा हमला किया है। माकन ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने दिल्ली के स्वास्थ्य क्षेत्र को बदहाल कर दिया है, जिसके कारण राज्य के प्रमुख अस्पतालों में जरूरी मेडिकल उपकरण जैसे एक्स-रे, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड मशीनें खराब पड़ी हैं। साथ ही कई अस्पतालों में आईसीयू भी कार्य में नहीं हैं। कोरोना महामारी के दौरान केंद्र सरकार से जो वित्तीय मदद मिली थी, वह भी आप सरकार द्वारा सही तरीके से खर्च नहीं की जा सकी। यह गंभीर लापरवाही है।

पुलिस एनकाउंटर में दो इनामी बदमाश ढेर

पुलिसकर्मी भी हुए जख्मी

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)। पलवल के लालवा गांव में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक-एक लाख रुपये के दो इनामी बदमाश ढेर हो गए। बदमाशों की पहचान रेवाड़ी निवासी नीरज और जोरावर के रूप में हुई है। दोनों बदमाश हत्या, लूट और डकैती जैसे संगीन मामलों में संलिप्त थे। देर रात सीआईए (क्राइम इनवेस्टीगेशन एजेंसी) पलवल प्रभारी दीपक गुलिया को सूचना मिली थी कि नीरज फरीदपुरिया गैंग के बदमाश सरपंचों की हत्या करने के लिए आ रहे हैं। बदमाशों के आने की भनक लगने पर पुलिस टीम लालवा गांव पहुंच गई। यहां पुलिस के ललकारते ही बदमाशों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने भी अपनी सुरक्षा में भी सात से आठ राउंड गोली चलाई। दोनों बदमाशों को सात गोलियां लगने की सूचना है। एक बदमाश को चार और दूसरे को तीन गोलियां लगी हैं। दोनों बदमाशों पर हत्या लूट डकैती सहित अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्त हैं।

आधार मामले में अब निजी संस्थाओं को भी होगी प्रमाणीकरण की अनुमति

» सरकार ने संशोधित नियम किए अधिसूचित

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)। केंद्र सरकार ने आधार प्रमाणीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए निजी संस्थाओं को भी इस सेवा का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आधार प्रमाणीकरण फॉर गुड गवर्नेंस (सोशल वेलफेयर, इनोवेशन, नॉलेज) संशोधन नियम, 2025 को अधिसूचित किया है।

यह संशोधन आधार (लक्षित वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं की डिलीवरी) अधिनियम, 2016 के तहत किया गया है।

सरकारी और निजी संस्थाओं को मिलेगी आधार प्रमाणीकरण की सुविधा

संशोधन के तहत अब सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएं आधार प्रमाणीकरण सेवा का उपयोग विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए कर सकेंगी। किसी भी संस्था को आधार प्रमाणीकरण प्राप्त करने के लिए केंद्र या राज्य सरकार के संबंधित मंत्रालय या विभाग को एक निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा, जिसे इस उद्देश्य के लिए विकसित एक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा।आवेदन की समीक्षा यूआईडीएआई द्वारा की जाएगी और एमईआईटीवाई अंतिम अनुमोदन जारी करेगा। इसके बाद केंद्र या राज्य सरकार का संबंधित मंत्रालय/विभाग आधार उपयोग के लिए संस्था को अधिसूचित करेगा।

फोर्ब्स की 2025 की शक्तिशाली देशों की सूची से भारत को क्यों रखा बाहर ?

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025(ए)।

फोर्ब्स ने 2025 की दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों की सूची जारी की है, जिसमें भारत को शीर्ष 10 में जगह नहीं मिली है। इस फैसले ने कई विशेषज्ञों और जनता के बीच सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि भारत चौथी सबसे बड़ी सेना और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। भारत की बड़ी जनसंख्या, सैन्य ताकत और आर्थिक प्रगति के बावजूद उसे इस सूची से बाहर रखा गया है। इससे कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या रैंकिंग पद्धति भारत के प्रभाव को सही तरीके से आंकने में विफल रही है। भारत को सूची में स्थान न मिलने से आलोचना तेज हो गई है, जबकि अमेरिका, चीन और रूस ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले वर्षों में भारत अपनी स्थिति को कैसे मजबूत करता है और क्या भविष्य में इस रैंकिंग में शामिल हो पाता है।

महाकुंभ में हुआ तीसरा अमृत स्नान

» तलवार-गदा लिए घोड़ों पर सवार नागा साधुओं का दिखा अद्भुत नजारा...

प्रयागराज,03 फरवरी 2025(ए)। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महाकुंभ में तीसरे अमृत स्नान की अलौकिक झलक देखने को मिली। इस खास मौके पर अखाड़ों और नागा साधुओं का संगम तट पर स्नान समारोह भव्यता और आस्था से भरपूर रहा। श्रद्धालुओं की भारी भी,मंत्रोच्चार और साधु-संतों के दिव्य दर्शन ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

शाही स्नान की भव्य शुरुआत- महाकुंभ के इस दिव्य आयोजन में सुबह पांच बजे श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी एवं श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़ा ने पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाकर शाही स्नान की शुरुआत की। इसके बाद श्री तपोनिधि पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा एवं श्री पंचायती अखाड़ा आनंद ने भी पवित्र स्नान किया।

घोड़ों पर सवार नागा साधु,तलवार-गदा के साथ अद्भुत दृश्य- सुबह सात बजे के आसपास श्री पंचदशनाम जूना अखो ा, श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़ा और श्री पंचाग्नि अखाड़ा ने अमृत स्नान किया। इस दौरान नागा साधुओं ने अनोखे अंदाज में प्रवेश किया। कुछ साधु घो ों पर सवार होकर संगम तट की ओर बढ़ रहे थे, तो कुछ हाथों में तलवार और गदा लिए शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। उनके उत्साह और भक्ति भाव को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भी उमड़ पड़ी। स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर इस शुभ अवसर को और भी भव्य बना दिया गया। स्नान के लिए जाते हुए नागा साधु अपनी ही धुन में मस्त नजर आए और उन्होंने रास्ते में विभिन्न रोमांचक करतब भी दिखाए।

अखाड़ों का निर्धारित स्नान समय- बैरागी अखाड़ों के अंतर्गत अखिल भारतीय श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा ने सुबह 8.25 बजे स्नान किया।

बसंत पंचमी पर भक्तों का महासागर

बसंत पंचमी के अवसर पर महाकुंभ में आस्था का सैलाब उमे पे ा। लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं।

आसमान से दिखा अद्भुत नजारा महाकुंभ के इस दिव्य आयोजन का दृश्य जब हेलीकॉप्टर से देखा गया तो पूरा इलाका स्वर्णिम आभा से प्रकाशित लग रहा था। संगम तट पर साधु-संतों की दिव्यता, पुष्पवर्षा और श्रद्धालुओं की भी एक अविस्मरणीय दृश्य प्रस्तुत कर रही थी।

संपादकीय

अवैध प्रवासियों के निष्कासन की घोषणा

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश से अवैध प्रवासियों के निष्कासन की घोषणा की है।अगर ट्रंप प्रशासन आप्रवासियों को बाहर निकालने की नीति को लागू करता है तो वह अवैध रूप से रहने वाले भारतीय भी अछूते नहीं रहेंगे। इस संबंध में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले भारतीय नागरिकों के बारे में नई दिल्ली के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत अवैध प्रवास का दृढ़ विरोधी है, क्योंकि जब कुछ अवैध होता है तो कई अन्य अवैध गतिविधियां भी उसमें शामिल हो जाती हैं।इसलिए भारत अमेरिका समेत विदेशों में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों की वैध वापसी की वापसी के लिए तैयार है? विदेश मंत्री का यह कथन मौजूदा वैश्विक संदर्भ में एकदम उचित है। भारत में भी ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जहां लोग अपराध या आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े जुड़े रहे हैं, वे आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों के दबाव के चलते वैध-अवैध तरीके से बाहर भाग जाते हैं। वहां अपने को प्रताड़ित बताकर वहां के लचीले कानूनों का लाभ उठाकर नागरिक बनने का प्रयास करते हैं।ऐसे लोग के पास न तो प्रताडना के पुख्ता सबूत होते हैं और न वहां पहुंचने का कोई वैध कारण होता है। ये लोग अपने मूल देश में समस्याएं खड़ी करके परिणाम से बचने के लिए अन्य देशों में पहुंचते हैं और वहां के समाज के लिए समस्याएं खड़ी करते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश ऐसे लोगों के लिए सुगम शरणस्थली रहे हैं। अमेरिका ने अगर अवैध आप्रवासियों को उनके मूल देश में वापस भेजने का निर्णय लिया है तो यह अकारण नहीं है।जयशंकर को राजनीतिक और नैतिक दोनों ही तौर पर अमेरिका के इस कदम का समर्थन करना था। भारत स्वयं अवैध और प्रवासियों की समस्याओं से जूझ रहा है जिन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। भारत भी ऐसे अवैध आप्रवासियों के खिलाफ कदम उठा रहा है। इससे ऐसे लोगों पर लगाम लगेगी जो अपने देश और दूसरे देशों में अपने धत्कर्मो के कारण बोझ बन जाते हैं। लेकिन कुछ लोग रोजगार और व्यवसाय के लिए भी बिना समुचित वैध पपत्रों के पहुंच जाते हैं तो ऐसे लोगों पर विचार किया जाना चाहिए।

4 फरवरी विश्व कैंसर दिवस पर विशेष

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरुआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं। अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5त्न बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज़्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरुआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है। विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करके और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

दुनिया के सामने जलवायु का संकट

जलवायु का संकट है पर इसे अक्सर वैश्विक जलवायुविदों द्वारा अतिरंजित तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। वास्तव में, इस समूह की स्थिति भेडिया आया, भेडिया आया कहानी के उस मुख्य पात्र चरवाहे जैसी हो गई है, जिसका अंत में हश्र क्या हुआ था, उसके बारे में सुधी पाठक अवश्य जानते होंगे। जैसे ही कोपरनिकस रिपोर्ट सामने आई, एकाएक स्वयंभू जलवायुविदों ने ग्लोबल वार्मिंग' को नियंत्रित करने हेतु तुरंत कदम उठाने पर जोर देना शुरू कर दिया।अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जिन दर्जनों कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, उसमें से एक पेरिस जलवायु समझौते' से अमेरिका को बाहर करना भी रहा।वर्ष 2015 में 190 से अधिक देशों के बीच हुई इस स्वैच्छिक संधि से अमेरिका दूसरी बार बाहर हुआ है, जिसमें ग्लोबल वार्मिंग' को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे बनाए रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था।राष्ट्रपति ट्रंप ने यह फैसला उस समय लिया, जब 11 जनवरी को यूरोपीय संस्था कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा' (सीथ्रीएस) ने कहा था कि वर्ष 2024 में वैश्विक औसत तापमान सुरक्षित मानक (डेढ़ डिग्री) से अधिक 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है।वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्ष 1850 में तापमान दर्ज शुरु होने के बाद 2024 सबसे गर्म साल रहा। क्या यह संकट प्राकृतिक है या फिर मानव जनित'?यह ठीक है कि दुनिया के सामने जलवायु का संकट है और विश्व को नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने की जरुरत है। परंतु इसे अक्सर वैश्विक जलवायुविदों द्वारा अतिरंजित तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।वास्तव में, इस समूह की स्थिति भेडिया आया, भेडिया आया' कहानी के उस मुख्य पात्र चरवाहे जैसी हो गई है, जिसका अंत में हश्र क्या हुआ था, उसके बारे में सुधी पाठक अवश्य जानते होंगे।जैसे ही कोपरनिकस रिपोर्ट सामने आई, एकाएक स्वयंभू जलवायुविदों ने ग्लोबल वार्मिंग' को नियंत्रित करने हेतु तुरंत कदम उठाने पर जोर देना शुरू कर दिया।ये वही कुनबा है, जिसने नैरेटिव बनाया था कि दुनिया का औसत तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से ऊपर होने पर समुद्र का स्तर बढ़ जाएगा, हिमनद-अंटार्कटिका पिघल जाएंगे, नदियों सूख जाएंगी और बेतहाशा गर्मी पड़ेगी।परंतु विश्वभर में कुछ प्राकृतिक आपदाओं को छोड़कर ऐसा नहीं हुआ। दुनिया से हजारों वर्ष पहले डायनासोर और कई प्रकार जीवाश्म विलुप्त हो चुके है। यहां तक वर्तमान हिमालय पर्वत भी भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के टकराव से बना है।भारत में प्राचीन सरस्वती नदी भी सूख चुकी है। ऐसे ढेरों उदाहरण है। क्या इन सबके लिए भी मानव सभ्यता को ही दोषी ठहराया जाएगा?कोपरनिकस संस्था की हालिया घोषणा को स्वघोषित पर्यावरणविदों ने अमेरिका स्थित लॉस एंजिलिस के जंगलों में लगी भीषण आग से भी जोडने का प्रयास किया था।सच तो यह है कि बढ़ती आबादी के कारण लोगों का तूफान, बाढ़ और भूकंप प्रभावित आपदा क्षेत्रों में बसने के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आती है।

-बलबीर पुंज-

कैंसर नहीं है पूरी तरह लाइलाज,जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

कविता
सत्कर्मों की डोर पकड़

घटती-घटना
प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा उत्तरप्रदेश

सत्कर्मों की डोर पकड़
हाथों में दे हाथ कबीरा।
बना रहेगा साथ कबीरा।।
संकट का तुम करो सामना।
दुनिया से मत भाग कबीरा।।
सत्कर्मों की शुभ डोर पकड़।
तना रहे जग माथ कबीरा।।
षटरस व्यंजन महल महकते।
कुटी रुचि दाल-भात कबीरा।।
नीरस नश्वर दुखमय दुनिया।
दिखें रंग जग सात कबीरा।।
साथ नहीं जाता है कुछ भी।
वनिता सुत धन गात कबीरा।।
हैं समाज में पंथ बहुत, पर।
नीर वीर ना जात कबीरा।।
जिनका खुद पर विश्वास सदा।
मिले कभी ना मात कबीरा।।

कविता
निधिवन

घटती-घटना
चारू मित्तल
मथुरा
उत्तरप्रदेश

निधिवन की लताओं में,
बसते हैं श्याम मेरे
इसकी रज को माथे पर लगा,
बन जाते बिगड़े काम मेरे।
कदम रखते ही इस धरा पर-
पैरों की थिरकन बढ़ जाती है
देख रहे मुझे कृष्ण मुरारी,
सोच दिल की धड़कन बढ़ जाती है
कैसा रूप श्रृंगार करूं मैं ,
मुझ पर भी रीझे श्याम मेरे।
स्मरण मात्र से ही,
बन जाते बिगड़े काम मेरे
निधिवन की सारी लताएं ,
श्याम श्याम पुकारती हैं
वह लता नहीं गोपिया है,
जो श्री कृष्ण को बुलाती हैं
रास मंडल में गोपियों के साथ,
रास रचाते हैं श्याम मेरे
रज को माथे पर लगाकर ,
बन जाते हैं बिगड़े काम मेरे-
बन जाते बिगड़े काम मेरे

यमुना में जहर के बयान से नायाब जाल में उलझे अरविंद केजरीवाल

सुशील कुमार 'नवीन',
हिसार, हरियाणा

वापिस बुलाना नहीं आता तो ब्रह्मास्त्र छोड़ना जरूरी है वापिस बुलाना नहीं आता तो ब्रह्मास्त्र चलाते क्यों हो...

महाभारत युद्ध में अपने पिता की मृत्यु से गुस्साए द्रोण पुत्र अश्वे वते थामा ने पांडवों के समूल नाश के लिए ब्रह्मास्त्र छोड़ दिया था। श्रीकृष्ण के कहने पर अर्जुन भी उसी क्षण ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करते हैं। यह देखकर महर्षि वेदव्यास जी घबरा जाते हैं। सकल सृष्टि विनाश को जानकर वे अपने बल से दोनों के ब्रह्मास्त्र को बीच में ही रोककर कहते हैं कि अपने-अपने ब्रह्मास्त्र वापस लो अन्यथा विनाश हो जाएगा। अर्जुन को तो ब्रह्मास्त्र वापस लेना आता है। ऐसे में वे तो उसे वापिस ले लेते हैं परंतु अश्वत्थे थामा कहता है कि मुझे ब्रह्मास्त्र छोड़ना तो आता है परन्तु वापिस लेना नहीं आता। तब वेदव्यास जी उसे कहते हैं कि मूर्ख! जब ज्ञान अधूरा है तो उसे प्रयोग करना जरूरी है क्या? ठीक ऐसा ही फिलहाल दिल्ली चुनाव में घटित हुआ है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने चुनावी लाभ के लिए हरियाणा की तरफ यमुना में जहर ब्रह्मास्त्र छोड़ तो दिया पर बिना विचारे छोड़ दिया। चुनावी लाभ के लिए जुबानी तरकश से छोड़ा यह तीर अब उन्हीं की तरफ चल पड़ा है। भाजपा को बैठे बिठाए बड़ा मुद्दा मिल गया। खास बात यह भी है कि दिल्ली जल बोर्ड की सीईओ भी केजरीवाल के इस बयान को खारिज कर चुकी है। सीईओ शिल्पा शिंदे ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर केजरीवाल के दावे को गलत बताया है।

हरियाणा में पुरानी और एक प्रसिद्ध कहावत है भैंस आपणे रंग नै ना देखै, छतरी नै देख कै बिधकै। अर्थात् खुद की कमी पर ध्यान नहीं, और अपनी ही कमी के लिए दूसरों को दोषी ठहराने का प्रयास। 27 जनवरी को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा की तरफ से दिल्ली को उपलब्ध कराए जा रहे पानी की खराब गुणवत्ता का मुद्दा उठाया था। उनका कहना था कि ,लोगों को पानी से वंचित करना, इससे बड़ा पाप कुछ भी नहीं है। भाजपा अपनी गंदी राजनीति से दिल्ली की जनता को प्यासा छोड़ना चाह रही है। वे हरियाणा से भेजे जा रहे पानी में जहर मिला रहे हैं। यह प्रदूषित पानी इतना जहरीला है कि इसे दिल्ली में मौजूद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की मदद से उपचारित नहीं किया जा सकता है। भाजपा दिल्लीवासियों की सामूहिक हत्या करना चाहती है. पर हम ऐसा नहीं होने देंगे। चुनावी महायुद्ध में इस तरह के बयान लाभ के उद्देश्यों के निमित आमतौर पर दिए जाते हैं। पर वो बयान जिसका न सिर हो और न पैर। फिर उसका क्या फायदा। हरियाणा पर इस तरह के बयानों का तीर छोड़ना चुनावी जानकारों की समझ से दूर है। चुनाव दिल्ली का और आप निशाना हरियाणा को बना रहे हो। यह कोई समझदारी तो है नहीं। खैर बयान दे दिया तो कम से कम उसकी मजबूती तो परख लो। उड़ता तीर पकड़ना खुद के लिए भी तो आत्मघाती हो सकता है। इस बारे में भी जरा विचार कर लेना चाहिए था। फिलहाल यमुना के पानी में जहर का बयान दिल्ली चुनाव का अब हॉट टॉक बन चुका है। चुनाव आयोग ने नोटिस दिया। जिसका जवाब केजरीवाल खुद पेश होकर दे चुके हैं। हरियाणा में केस दायर हो चुका है। स्वयं सरकार मानहानि का मुकदमा दायर करने के मूड में है। बयान में कुछ मजबूती बनती यदि दिल्ली से ही केजरीवाल को स्पोर्ट मिलता पर यहां तो चाल ही उल्टी पड़ गई है। दिल्ली जल बोर्ड की सीईओ ही अरविंद उनका बयान खारिज कर चुकी हैं। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में साफ कहा गया कि फैक्ट गलत और भ्रामक हैं। ऐसे बयानों से दिल्ली वासियों में डर पैदा होता है वही अन्य राज्यों के साथ संबंधों पर भी बुरा प्रभाव होता है। हालांकि दिल्ली की सीएम आतिशी ने जल बोर्ड की सीईओ के पत्र पर रिएक्ट कर चुकी हैं। उनके अनुसार उपराज्यपाल के दबाव की वजह से दिल्ली जल बोर्ड ने लेटर जारी किया। दिल्ली भाजपा के लिए भी यह किसी बड़ी संजीवनी से कम नहीं है। तुरंत इस बयान को आड़े हाथ लेकर चुनावी लाभ लेने के प्रयास शुरू हो गए। हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी स्वयं पानी पीकर दिखा चुके हैं। साथ ही जहां चुनावी प्रचार के लिए जा रहे हैं, पानी का कलश साथ लिए जा रहे हैं। हरियाणा भाजपा तो इस बयान के बाद दिल्ली में और ज्यादा सक्रिय हो गई है। नायब सिंह सैनी हरियाणा में अपनी छवि से भाजपा की सत्ता में वापसी करा चुके हैं । दिल्ली भाजपा अब उनका यहां पूरा लाभ उठा रही है। ऐसे में इस बयान से आम आदमी पार्टी को फायदे की जगह नुकसान ही ज्यादा होने की संभावना है। चुनाव में यमुना की सफाई की मुद्दा फिर प्रमुखता से चर्चा में आ गया है। भाजपा और कांग्रेस पहले से ही यमुना के प्रदूषण को मुद्दा बनाने के प्रयास में थी। अब स्वयं केजरीवाल ने हरियाणा से आने वाले यमुना पानी में जहर होने का मुद्दा उठाकर दिल्ली में पानी के मामले को और हॉट इश्यू बना दिया है। वैसे भी दिल्ली में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति बड़ी समस्या है। यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस यमुना की सफाई के मुद्दे को लेकर आप सरकार के खिलाफ आक्रामक हैं।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

एक साथ उठी तीन अर्थियां,सभी की आंखें हो गई नम

सडक़ हादसे में प्रधान आरक्षक, उनके बेटे व मां सहित 7 लोगों की हो गई थी मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

सोनभद्र जिले में हुए सडक़ हादसे में मृत प्रधान आरक्षक रवि मिश्रा व उनके बेटे व मां का सोमवार को अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ घर से तीन अर्थियां उठीं।मुखाग्नि रवि मिश्रा के छोटे भाई ने दी।

प्रधानआरक्षक रवि मिश्रा मूलतः सरगुजा जिले के धौरपुर के रहने वाले थे। इनका मकान अंबिकापुर व रामानुजगंज में भी है। जबकि इनकी पोस्टिंग बलरामपुर जिले के कोरंधा थाने में थी। रविवार की शाम करीब 4 बजे क्रेटा कार क्रमांक सीजी 15 ईबी-4141 से प्रयागराज महाकुंभ जाने पत्नी प्रियंका मिश्रा,मां शीला मिश्रा,बड़ा बेटा दीपांशु मिश्रा,छोटा बेटा अर्थव, नौकरानी दुर्गा प्रजापति व कार चालक सोनू कादरी के साथ निकले थे। शाम करीब 7 बजे उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिला अंतर्गत वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हाथीनाला थाना क्षेत्र के

रानीताली के पास पहुंचे ही थे कि सामने से डिवाइडर को तोड़ते हुए तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और दुर्घटना में कार सवार प्रधान आरक्षक रवि मिश्रा पिता ओमप्रकाश मिश्रा 45 वर्ष, इनका छोटा बेटा अर्थव 8 वर्ष, कार चालक सोनू कादरी व नौकरानी दुर्गा प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रधान आरक्षक की मां, पत्नी व बड़ा बेटा गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। स्थानीय पुलिस की मदद से तीनों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान प्रधान आरक्षक की मां 62 वर्षीय शीला मिश्रा को भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं इसी हादसे में दो ट्रेलर चाचलक की मौत हो गई थी। हाथीनाला थाना पुलिस द्वारा सभी शवों का पीएम कराया गया। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रधान आरक्षक रवि मिश्रा, उनका बेटा अर्थव व उनकी मां शीला मिश्रा का शव अंबिकापुर स्थित गंगापुर घर लाया गया। वहीं कार चालक सोनू कादरी व नौकरानी दुर्गा प्रजाति का शव रामानुजगंज भेजा गया। एक साथ तीन शव घर पहुंचते ही पूरा परिवार दहल गया। लोग दहाड़ मारकर रोने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही रात से ही नाते-रिश्तेदारों के पहुंचने का सिसिला जारी था। सुबह करीब 10 बजे तीनों का शव पहुंचा। इसके बाद अंतिम संस्कार की विधि पूर्ण की गई। घर के दरवाजे से एक साथ तीन अर्थियां उठी, यह दृश्य देखकर लोगों का दिल दहल गया। लोग अपनी आंसू नहीं रोक पाए। घर से दो मुक्ति रथ से पिता, पुत्र व मां का शव यात्रा निकाली गई। एक मुक्ति रथ पर पिता व बेटे का शव था। जबकि दूसरे मुक्ति रथ पर मां का शव रखा गया था। शव यात्रा गंगापुर स्थिति प्रधान आरक्षक के घर से निकली। एक साथ तीन अर्थियां देखकर रास्ते से गुजर रहे लोगों की आखें भी नम हो गई। तीनों शवों का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम अंबिकापुर में किया गया। मुखाग्नि प्रधान आरक्षक रवि मिश्रा के छोटे भाई सत्यप्रकाश मिश्रा ने दी।

सडक़ हादसे में युवक की मौत, साली गंभीर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

बतौली-सीतापुर मुख्य मार्ग पर खड़े अज्ञात पिकअप से बाइक जाकर टकरा गई। हादसे में जीजा व साली गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बतौली अस्पताल लाया गया यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। लडक़ी का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार रामा रामा कोरवा ग्राम चउरपानी डुमरडीह का रहने वाला था। वह 2 फरवारी को अपने ससुराल आसनडीह से साली भिनसारी को लेकर सोल्ड बाइक से ग्राम पेंट जाने निकला था। रास्ते में बतौली-सीतापुर मार्ग पर खड़े अज्ञात पिकअप से बाइक की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए डायल 112 से सीएचसी अस्पताल बतौली ले गए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। जबकि भिनसारी का इलाज चल रहा है।

कार पेड़ से टकराई,कृषि उप संचालक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य मार्ग में तेज रफ्तार बोलेरो गणेशपुर के पास पेड़ से जा टकराई। हादसे में बलरामपुर के कृषि उप संचालक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बलरामपुर में पदस्थ कृषि उप संचालक एसके प्रसाद सोमवार को अंबिकापुर से बलरामपुर जाने के लिए शासकीय बोलेरो क्रमांक सीजी-02-6950 से रवाना हुए थे। बोलेरो वाहन को कार्यालय में पदस्थ लिपिक पन्ना लाल यादव चला रहा था। दोपहर करीब 1 बजे उनकी बोलेरो अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर सामने से आ रही वाहन से साइड लेने के दौरान एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में बोलेरो के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया व एक चक्का निकल गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

सामने बैठे उप संचालक की सीट उखड़कर सामने स्क्रीन से टकरा गई और स्क्रीन तोड़कर सीट का कुछ हिस्सा बाहर आ गया। हादसे में एसके प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस मौके पर पहुंची और उन्हें अंबिकापुर

ले जाने के लिए रवाना किया गया। अंबिकापुर में जीवन ज्योति हॉस्पिटल पहुंचने के पूर्व ही उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में बोलेरो चालक पन्ना लाल यादव को भी चोटें आई हैं। हादसे की सूचना पर कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी जीवन ज्योति हॉस्पिटल पहुंच गए। प्रतापपुर पुलिस मामले में जांच कर रही है। हादसे में मृत उप संचालक कृषि एसके प्रसाद मूलत- मैनपाट के रहने वाले थे। अंबिकापुर के पटपरिया में उनका निजी निवास है। वे बलरामपुर में करीब दो सालों से पदस्थ थे। इसके पूर्व वे अंबिकापुर एवं सूरजपुर में कृषि उपसंचालक के पद पर कार्य कर चुके हैं। अंबिकापुर में कुछ समय तक वे जेडीए के प्रभार पर भी थे।

कार सवार बदमाशों ने की थी अपहरण की कोशिश,दो गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कार सवार बदमाशों ने एक किशोर की अपहरण की कोशिश की थी। बदमाशों ने किशोर से पार्टी करने के लिए रुपए की मांग कर रहे थे। नहीं देने पर जबरन उसे खिंचकर कार में बैठाने की कोशिश की थी। हल्ला सुनकर मोहल्ले वाले दौड़े तो बदमाशों ने उसे छोड़कर कार से फरार हो गए थे। किशोर के पिता की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

मामले की जानकारी देते हुए एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि मनोज गुप्ता खरसिया नाका थाना कोतवाली का रहने वाला है। इसका बेटा पंकज गुप्ता 26 जनवरी को अपने दोस्तों के साथ बाबूपारा यादव टी स्टॉल के पास खड़ा था। तभी नमनाकला

खटिकपारा निवासी चंदन सोनकर एवं उसके साथी कार से वहां पहुंचे और पंकज गुप्ता से पार्टी करने के लिए रुपए की मांग करने लगे। रुपए देने से मना करने पर बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर गाली-गलौज करते हुए जबरन खींचकर कार क्रमांक सीजी 15 डीपी 7440 में बैठाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान पंकज हल्लाकर आस पास के लोगों को बुलाया। लोगों को आता देख बदमाशों ने उसे छोड़कर कार से फरार हो गए थे। वहीं पंकज के पिता मनोज गुप्ता ने मामले की रिपोर्ट 28 जनवरी को मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 119 (1), 351 (3), 3 (5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी चंदन सोनकर कों घटना मे प्रयुक्त सफ़ेद रंग के स्वीफ्ट डिजायर कार क्रमांक सीजी 15 डीपी 7440 के साथ हिरासत में लेकर पूछताछ किया। चंदन अपने साथी गोलू सोनकर व एक अन्य के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। इसके निशानदेही पर पुलिस ने आरोपी गोलू सोनकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी चंदन सोनकर पिता स्व. नंदू सोनकर उम्र 30 वर्ष व गोलू सोनकर पिता अमरिकन सोनकर उम्र 23 वर्ष साकिन नमनाकला खटिक मोहल्ला थाना कोतवाली के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, उप निरीक्षक रम्भा साहू, सहायक उप निरीक्षक अरुण दुबे, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक रजनीकांत मिश्रा सक्रिय रहे।

अधिवक्ता डॉ. डीके सोनी को एक ही दिन में तीन बड़ा सम्मान,फिल्मी सितारों ने किया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

दिल्ली के इरोस होटल नेहरू प्लेस में बीज एक्सपो के द्वारा आयोजित समारोह में अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ डीके सोनी को फिल्म एक्ट्रेस भाग्य श्री , ईशा देवल, और एक्टर आफताब शिवदसानी के करकमलों से दिया गया अवार्ड।

इसके पूर्व 34अवार्ड मिल चुके हैं यह तीनों अवार्ड मिलकर इनका 37वा अवार्ड है। सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता डॉ डी0के0 सोनी के द्वारा हमेशा न्याय में देरी, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा हेतु अनेक उत्कृष्ट कार्य किए जाते रहे हैं।

डॉ डी0के0 सोनी आम जन के लिए

न्याय व्यवस्था को सुदृढ़, सुगम और शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से हमेशा जमीनी स्तर पर एवं आरटीआई के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर माननीय उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक सफल और निर्णायक कानूनी लड़ाई भी लड़ते रहते हैं। डॉ डी.के. सोनी द्वारा सरकारी विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को लेकर अनेकों मामले उठाते रहे हैं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुलासा कर दस्तावेजों के आधार पर कार्यवाही कराकर कई भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों के विरुद्ध अपराध भी पंजीबद्ध कराया गया है।

बीज आप के चयन समिति द्वारा देश से विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक एवं कानूनी स्तर पर तथा व्यापार, उद्योग में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का भी चयन किया गया जिसमें सरगुजा एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीआई एवं अन्य कानून के माध्यम से लगातार सामाजिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अंबिकापुर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता डॉ डी के सोनी को मध्य भारत से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं और कई बिजनेसमैन के समक्ष होटल इरोस नेहरू प्लेस दिल्ली में दिनाक 18/1/25 दिन शनिवार को फिल्म एक्ट्रेस भाग्य श्री और इशा देवल तथा एक्टर आफताब शिवदसानी के कर कमलों से पहला आइकन ऑफ द ईयर का अवार्ड, दूसरा बेस्ट इमिग्रेशन लॉयर ऑफ द ईयर का अवार्ड और तीसरा बेस्ट एडवोकेट एंड आर टी आई एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया। एक ही दिन में तीन अवार्ड डी के सोनी को पहली बार मिला है

दिल्ली के उक्त कार्यक्रम में देश के अलग अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साथ बिजनेश मेन भी उपस्थित थे को भी सम्मानित किया गया।

अधिवक्ता डॉ डी के सोनी को उक्त अवार्ड मिलने से उनके शुभचिंतकों सहित अधिवक्ताओं और सोसल जस्टिस प्राप्त करने वालो में हर्ष व्याप्त है।

इस मौके डॉ डी के सोनी ने यह कहा है कि यह अवार्ड उनके द्वारा किए जा रहे जनहित और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देता है और भविष्य में आगे अधिक ऊर्जा से तेज गति से सामाजिक और जनहित के कार्य को करने प्राथमिकता दिया जायेगा।

राष्ट्रीय कॉर्फबाल प्रतियोगिता में सरगुजा के खिलाडिय़ों का रहा दबदबा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

20वीं राष्ट्रीय सब जूनियर कॉर्फबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता 30 जनवरी से 02 फरवरी जालंधर पंजाब में आयोजित की गई थी। जिसमें सरगुजा जिले के सब-जूनियर कॉर्फबॉल खिलाडिय़ों ने शानदार प्रदर्शन रकरते हुए छत्तीसगढ़ टीम को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल दिलाया। कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ सब-जूनियर कॉर्फबॉल टीम में आयुष बारी, ऋत्विक राज गुप्ता संजना मिंज और रजनी कांता छत्तीसगढ़ टीम में खेलते हुए केरल, दिल्ली जैसे बड़े टीमों को हरा कर फाइनल खेले। सरगुजा जिला में बास्केटबॉल खेल के अलवा अन्य खेलों के साथ कार्फबॉल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

शिविर में दो मरीजों में पाया गया टीवी बीमारी का लक्षण

» 100 दिवसीय निक्षय-निरामय उपचार कार्यक्रम बरगीडिह में संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

निक्षय-निरामय उपचार कार्यक्रम के तहत बरगीडिह में स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण कार्यक्रम व राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के कर्मचारी शामिल हुए। स्वास्थ्य शिविर में 316 व्यक्ति का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 60 वर्ष से अधिक उम्र के सामान्य जन, शुगर, तम्बाखू सेवन करने वाले व पुराने टीबी के कुल 52 मरीजों का निःशुल्क एक्स-रे किया गया। जिसमें 2 मरीज के एक्स-रे में टीबी बिमारी के लक्षण पाए गए, 60 वर्ष से अधिक सभी मरीजों में सुनने की क्षमता सामान्य से कम पाई गई।

ज्यादा प्रभावित 3 मरीजों को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया, समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एण्ड हियरिंग के ऑडियोलॉजिस्ट दीपशीखा कुजूर ने सुनने की क्षमता में कमी का कारण सुनने की नसों में कमजोरी को बताया, और जानकारी दी कि 50 वर्ष के उम्र से ज्यादा व्यक्तियों में सुनने की क्षमता में कमी आ जाती है। जबकी आमतौर पर बुजूर्ग यह समझते हैं कि कान में मैल के कारण सुनने की क्षमता में कमी आती है, जो कि मिथ्य है। साथ में सुनने के लिए कान में दवाई, ड्रॉप या तेल की मांग करते हैं। जबकि सुनने के लिए केवल श्रवण यंत्र बुजुर्गों में सहायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में आईसीएमआर के डाकेश सिंह, ऑडियोलॉजिस्ट संध्या साहु, अंकित सिन्हा, वसीउर रहमान व कार्यक्रम प्रभारी उपस्थित रहे।

ट्रंप के फैसले ने बढ़ाई डब्ल्यूएचओ की चिंता,महानिदेशक बोले...सदस्य देश अमेरिकी राष्ट्रपति पर डालें दबाव

जेनेवा, 03 फरवरी 2025। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग कर लिया था। ट्रंप के इस फैसले ने डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ा दी है। अब डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने सदस्य देशों से कहा है कि वे संयुक्त राष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी से हटने के अमेरिका के फैसले को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करें। वे फैसले को पलटने के लिए राष्ट्रपति पर दबाव डालें। राजनयिकों के साथ हुई बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने इस पर जोर दिया कि संगठन से हटने के बाद अमेरिका वैश्विक बीमारी के प्रकोप के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित रह जाएगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा कि अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अधिकारियों को डब्ल्यूएचओ के साथ काम करना बंद करने के लिए कहा गया है। लेकिन संगठन अभी भी कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों को डाटा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने संगठन के सदस्य देशों से कहा कि हम अमेरिका को जानकारी इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि उनको इसकी जरूरत है। अगर सदस्य देश अमेरिका पर अपने फैसले को लेकर दबाव डालते हैं या फैसले पर दोबारा विचार करने के लिए ट्रंप से बात करते हैं तो हमें बहुत खुशी होगी।

ट्रेडोस ने ट्रंप की ओर से विश्व स्वास्थ्य संगठन छोड़ने के बताए गए कारणों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं कि डब्ल्यूएचओ ने कोरोना को ठीक से संभाला नहीं। जबकि हमने जनवरी 2020 में ही दुनिया भर को कोरोना के संभावित खतरों के बारे में सचेत किया था। इसके बाद हमने कई सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप मानते हैं कि अमेरिका बजट को लेकर नहीं बल्कि बीमारियों के प्रकोप विवरण और स्वास्थ्य सूचनाओं में शून्यता को लेकर संगठन से बाहर हुआ है। मगर इसका सामना अमेरिका को भविष्य में करना पड़ेगा। ट्रेडोस ने कहा कि अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन में वापस लाना जरूरी है। इसमें सदस्य देश बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ को बड़ा फंड देता है अमेरिका

अमेरिका के बाहर निकलने पर डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ी हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका डब्ल्यूएचओ को बड़ा फंड देता है। 2024-25 में अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ को 988 मिलियन डॉलर का फंड दिया था, जो एजेंसी के कुल बजट 6.9 बिलियन डॉलर का 14 फीसदी है। वहीं आपातकालीन स्वास्थ्य कार्यक्रम में अमेरिका का बड़ा योगदान रहा है। एक दस्तावेज के मुताबिक डब्ल्यूएचओ के आपातकालीन अभियानों में अमेरिकी फंडिंग रीढ़ की हड्डी की भूमिका निभाती है। यूक्रेन, सूडान, पश्चिम एशिया में चल रहे संकट, पोलियो उन्मूलन, एचआईवी कार्यक्रम हों या टीबी को लेकर हो रहे प्रयास हों सभी अमेरिका के बजट बड़ा योगदान रहा है।

डब्ल्यूएचओ के वित्त निदेशक जॉर्ज काइरियाकौ का कहना है कि अमेरिका ने अभी तक 2024 के लिए डब्ल्यूएचओ को दिए जाने वाले योगदान का भुगतान नहीं किया है। अगर अमेरिका ने भुगतान नहीं किया तो एजेंसी घाटे में चली जाएगी। ऐसे में संगठन को अपने खर्च में कटौती करनी होगी। अगर एजेंसी अपनी वर्तमान दर पर खर्च करती रही तो 2026 की पहली छमाही में हमारा नकदी प्रवाह बहुत मुश्किल स्थिति में होगा।

सदस्य देशों ने पूछे सवाल

बजट को लेकर हुई बैठक में डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों ने महानिदेशक से अमेरिका के संकट से निपटने को लेकर सवाल पूछे। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कुम्मेल ने अमेरिका के बाहर निकलने को डब्ल्यूएचओ के लिए बड़ा संकट बताया। उन्होंने पूछा कि अगर अमेरिका की फंडिंग समाप्त हो जाएगी तो डब्ल्यूएचओ के कौन से कार्य रुक जाएंगे? बांग्लादेश और फ्रांस के अधिकारियों ने पूछा कि अमेरिकी फंडिंग की कमी से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ के पास क्या योजना है? इसके चलते किन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कटौती की जाएगी?

अमेरिका को भी मिलता है लाभ

डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने के ट्रंप के फैसले को लेकर विशेषज्ञों ने अपनी राय साझा की है। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स के निदेशक मैथ्यू कवानाघ का कहना है कि अमेरिकी स्वास्थ्य बजट का एक फीसदी से भी कम हिस्सा डब्ल्यूएचओ को जाता है। इसके बदले में अमेरिका को कई तरह के लाभ मिलते हैं जो काफी मायने रखते हैं। इसमें वैश्विक स्तर पर बीमारी और महामारी के बारे में खुफिया जानकारी और टीकों के लिए वायरस के नमूने शामिल हैं। एजेंसी से बाहर निकलना अमेरिकियों के लिए बदतर स्वास्थ्य परिणामों को जन्म देगा।

अपने ही जाल में फंसा पाकिस्तान, नए साल में भी बढ़े आतंकी हमले

इस्लामाबाद,03 फरवरी 2025। पाकिस्तान में इस साल जनवरी में आतंकवादी हमलों में तेजी से वृद्धि हुई है, जो कि पिछले महीने की तुलना में 42 फीसदी अधिक है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सेक्यूरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के डाटा के अनुसार, देशभर में 74 आतंकवादी हमले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 91 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 35 सुरक्षाकर्मी, 20 नागरिक और 36 आतंकी भी शामिल हैं। वहीं 117 लोग घायल भी हुए हैं, जिसमें 53 सुरक्षाकर्मी, 54 नागरिक और 10 आतंकी शामिल हैं।

रिपोर्ट में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान पर प्रकाश डाला गया, जिसके कारण जनवरी में कम से कम 185 आतंकवादियों का सफाया हो गया। साल 2016 के बाद से एक महीने में मारे गए आतंकवादियों की सबसे अधिक संख्या दिसंबर 2024 में दर्ज की गई थी, जहां 190 आतंकियों को मार गिराया गया था। जनवरी में आतंकी हमलों और सुरक्षा अभियानों में 245 मौतें हुईं, जिसमें 185 आतंकी,40 सुरक्षाकर्मी और 20 नागरिक हैं। आतंकी हमलों में खैबर पख्तूनख्वा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा। इसके बाद बलूचिस्तान का नंबर है। खैबर पख्तूनख्वा में 27 हमले हुए, जिसमें 11 सुरक्षाकर्मियों, छह नागरिक और दो आतंकवादियों समेत 19 की मौतें हुईं।

खैबर पख्तूनख्वा के आदिवासी क्षेत्रों में 19 हमले किए गए, जिसमें 13 सुरक्षा कर्मियों, आठ नागरिक और 25 आतंकवादियों समेत 46 मौतें हुईं। बलूचिस्तान में भी 24 हमले हुए। इन हमलों में 20 की जान चली गई। पंजाब में दो आतंकी हमले हुए, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी का जवान घायल हो गया। सिंध और इस्लामाबाद में एक-एक हमले हुए।

इस महीने दो आत्मघाती बम विस्फोट भी हुए। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी ली। इस साल अपहरण की घटनाओं में भी तेजी से वृद्धि हुई है। सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में अभियान तेज कर आदिवासी जिलों में 67 और इसके पास के इलाकों में 71 और बलूचिस्तान में 47 आतंकवादियों को मार गिराया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को पोलियो रोधी टीम की सुरक्षा के लिए तैनात एक पुलिस कॉन्स्टेबल की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

दुष्ट देश कहने पर उत्तर कोरिया की अमेरिका को चेतावनी, कहा- ऐसे खत्म नहीं होगी शत्रुता

सियोल, 03 फरवरी 2025। उत्तर कोरिया ने अमेरिकी विदेश मंत्री पर हमला बोला है। उत्तर कोरिया को दुष्ट राज्य कहने पर किम जोंग प्रशासन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी अशिष्ट और निरर्थक टिप्पणियां कभी भी अमेरिकी हितों को पूरा नहीं कर पाएंगीं। ऐसे शब्दों से कभी शत्रुता खत्म नहीं होगी। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के विदेश नीति के प्रभारी ने अपने शब्दों और कामों के जरिये एक बार फिर डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के प्रति अपने देश की शत्रुतापूर्ण नीति का प्रदर्शन किया है। रूबियो की टिप्पणी डीपीआरके के बारे में नए अमेरिकी प्रशासन की गलत सोच को दर्शाती है। इससे अमेरिकी हितों को कभी बढ़ाने में मदद नहीं मिल सकेगी।

30 जनवरी को एक कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश नीति को लेकर उत्तर कोरिया और ईरान को दुष्ट देश करार दिया था। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किम को स्मार्ट आदमी बताते हुए उत्तर कोरियाई यात्रा करने की बात पर सहमति जताई थी। ट्रंप ने कहा था कि वह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग से संपर्क करने वाले है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने किम के साथ अच्छा संबंध स्थापित किया है और किम धार्मिक कट्टरपंथी नहीं हैं। हाल ही में उत्तर कोरिया के तानशाह किम जोंग ने उत्पादन बेस का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने देश की परमाणु क्षमता को मजबूत करने का आह्वान किया था। किम के दौरे से साफ है कि अमेरिका से तनाव के बीच उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों का विस्तार कर रहा है।

यूएसएआईडी के कर्मचारियों को मुख्यालय न आने का दिया गया निर्देश,मस्क ने की थी एजेंसी को बंद करने की घोषणा

वॉशिंगटन,03 फरवरी 2025। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के कर्मचारियों को सोमवार को उनके वॉशिंगटन स्थिति मुख्यालय में न जाने का निर्देश दिया गया। कर्मचारियों को एक सूचना के जरिए आदेश दिया गया।

यह कदम तब उठायागया,जब अमेरिका के अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने घोषणा की कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ मिलकर यूएसएआईडी को बंद करने पर सहमति जताई है। मस्क ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से इस एजेंसी को बंद करने के बारे में बात की है और उन्होंने सहमति दी कि इसे बंद कर देना चाहिए।

यूएसएआईडी के कर्मचारियों ने बताया कि एजेंसी के करीब 600 कर्मचारी रातभर अपने कंप्यूटर का उपयोग नहीं कर पाए, क्योंकि उन्हें लॉक कर दिया गया था। जो कर्मचारी कंप्यूटर पर मौजूद थे, उन्हें एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि नेतृत्व के निर्देश पर एजेंसी का मुख्यालय सोमवार तीन फरवरी को कर्मचारियों के लिए बंद रहेगा।

यह घटनाक्रम तब सामने आया, जब मस्क ने सोमवार को कहा कि उन्होंने ट्रंप से अमेरिका की साठ साल पुरानी सहायता और विकास एजेंसी के बारे में बात की और ट्रंप ने सहमति दी कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए। मस्क राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर संघीय सरकार की समीक्षा कर रहे हैं।

क्या काम करता है यूएसएआईडी

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (USAID) का यूएस सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है। इसकी स्थापना 1961 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने की थी। ये एजेंसी नागरिक विदेशी सहायता और विकास सहायता के प्रशासन पर नजर रखती है। इस संस्था का मिशन वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, आपदा और लोकतांत्रिक सुधार के मुद्दे पर काम करना है। यह एजेंसी मौजूदा समय में 100 से अधिक देशों में काम करती है। यह एजेंसी कई बार मानवीय संकटों को दूर करने में वैश्विक स्तर पर मदद करके अमेरिका की विदेश नीति को आगे बढ़ा चुकी है।

अल्पसंख्यकों की रक्षा करें,वरना देश की वैश्विक छवि को होगा नुकसान

यूनुस का अधिकारियों को आदेश

ढाका,03 फरवरी 2025। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को सुरक्षा अधिकारियों को आदेश दिया कि वे धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए विशेष कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि अगर धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले होते हैं, तो बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय छवि को बहुत नुकसान होगा। यह आदेश उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक में दिया। बैठक में सुरक्षा अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देश में कानून व्यवस्था की स्थिति की निगरानी के लिए एक कमांड सेंटर बनाने का निर्देश दिया। मुख्य सलाहकार ने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से कहा, हमें एक कमांड सेंटर या एक कमांड मुख्यालय बनाना होगा, जो सभी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करेगा।

यूनुस ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को आधुनिक संचार उपकरणों का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि वे किसी भी स्थिति में दखल दे सकें। उन्होंने कहा, अगर हम अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर सके, तो हमारी वैश्विक छवि को बहुत नुकसान होगा। हमें इस संबंध में बहुत पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा प्रमुखों को आदेश दिया कि वे प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने और धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यकों पर हमलों को रोकने के लिए विशेष उपाय करें। पिछले साल शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ीं। मंदिर पर भी हमले बढ़े हैं।

कीटनाशक का सेवन किए वृद्ध की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला के जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम गंगापुर निवासी विक्रम राजवाड़े पिता शंकर राजवाड़े 57 वर्ष की कीटनाशक का सेवन करने से मौत हो गई। मृतक शराब पीने का आदी था। 1 फरवरी को रात करीब 11 बजे वह शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन कर लिया। लटोरी स्वास्थ्य केन्द्र से रेफर करने पर परिजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 2 फरवरी को देर रात 1.10 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

नर्सिंग की छात्रा अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी की

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

बीएससी नर्सिंग की छात्रा अज्ञात कारण से रविवार को अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार दरिमा थाना के ग्राम लवईडीह निवासी प्रियंका कुजूर पिता किशोर कुजूर 22 वर्ष केदारपुर अंबिकापुर में मिशन चैक के पास कुशवाहा गली में किराए के मकान में रहकर नर्सिंग का पढ़ाई कर रही थी। रविवार को जब छात्रा के परिजन उसे मोबाइल में फोन लगाए तो वह फोन रिसीव नहीं की और न ही कॉल बैक की। कई बार फोन लगाने के बाद भी जब प्रियंका से बात नहीं हो पाई, तो घर वाले परिचितों से उसके किराए के कमरे में जाकर देखने को बोला। परिचित जब पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद वे खिड़की से झांककर देखे तो वह फांसी पर उसका शव लटका हुआ था। घटना की सूचना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की।

आंगन सजाओ प्रतियोगिता का परिणाम जारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

वसुधा महिला मंच द्वारा आंगन सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता की परिणाम की घोषणा की गई। मंच के सदस्यों ने घर-घर जाकर प्रतियोगिता का अवलोकन किया और परिणाम जारी की। इस दौरान निर्णायक की भूमिका में वन्दना दत्ता, ज्योति द्विवेदी, रीता अग्रवल, अनुभा डबराल, चयती अग्रवाल रहीं। आंगन सजाओ का संस्थागत सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार विश्व भवन ब्रम्हकुमारी दीदीयों की रंगोली को प्राप्त हुआ, सेवा भारती की बालिकाओं को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संदेश देते हुए रंगोली में, प्रथम पुरस्कार रेणु श्रीवास्तव को प्राप्त हुआ, द्वितीय पुरस्कार, बानी मुखर्जी को मिला। आंगन सजाओ का प्रथम पुरस्कार, डाक्टर भारती परिहार को प्राप्त हुआ, वसुधा मंच के सदसयों ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों ने किया नामांकन दाखिल

हमारे सभी प्रत्याशी जीतेंगे और जिला पंचायत में भाजपा की सरकार बनेगी:भारत सिंह सिसोदिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर पंचायत चुनाव के मद्देनजर आज भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गाजे बाजे के साथ नामांकन रैली लेकर कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। इससे पूर्व रैली चोपड़ापारा रिंग रोड स्थित काली मंदिर से शुरू होकर गांधी चौक से घड़ी चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची और सभी 12 जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

कार्यकर्ताओं में उत्साह और जन समर्थन का सम्मान करते हुए भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सब तरफ भाजपा के अनुकूल माहौल है, जनता ने अपार समर्थन देकर जिला में हमारे सभी विधायक जीताए, सांसद जीताया और अब जिला पंचायत चुनाव में भी जनता हमें पसंद कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस की सरकार और कांग्रेस के लोगों को जनता समझ चुकी है, इनके कथनी और करनी में अंतर को जनता परख चुकी है, जनता यह भी जानती है ट्रिपल इंजन के सरकार में ही समूचे जिले का सर्वांगीण विकास होगा। भाजपा के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अपने जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं, हमें पूर्ण विश्वास है कि सभी सीट से हमारे प्रत्याशी जीतेंगे और जिला पंचायत में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

नामांकन रैली में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा, जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केसरी एवं विनोद हर्ष, जिला पंचायत प्रत्याशियों में दिव्या सिंह सिसोदिया, पायल सिंह, फुलेश्वरी सिंह, वर्षा सोनवानी, सरस्वती पैकरा, निरूपा सिंह, देवनारायण यादव, नानमणि पैकरा, शकुंतला पैकरा, धनेश्वर राम, सेतराम बड़ा, बसंती एक्का सहित बड़ी संख्या में प्रत्याशियों के समर्थन में पहुंचे लोग, भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

यह चुवावी मुकाबला पैसा और पसीने का है...यह चुनाव पैसा बनाम पसीना हैः श्याम बिहारी जायसवाल

» पुर्व विधायक डॉ विनय जयसवाल का महापौर के लिए कोई नामोनिशान था क्या?

» भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन और आम सभा में हजारों की उमड़ी भीड़

- रवि सिंह -
चिरमिरी,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम चिरमिरी शहर के डोमनहिल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता और आमसभा में हज़ारों की भीड़ में सम्मिलित हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के समक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने अपनी बातों को रखा और आम सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में श्याम बिहारी जयसवाल ने अपने कार्यकर्ताओं को कहा कि हज़ारों की भीड़ में मौजूद यह वही ताकत है जिसने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 23000 वोटों की ऐतिहासिक जीत दिलाई और पार्टी को मजबूत किया और मौका दिया कि भाजपा सम्पूर्ण भाव से जनता की सेवा कर सके। छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया और कहा भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा संगठन है जहां कोई बड़ा या छोटा नहीं, भाजपा का हर एक कार्यकर्ता पार्टी का एक एहम हिस्सा है जिसने इस संगठन को हमेशा मजबूत बनाया और देश हित और देश की सेवा के लिए हर कार्यकर्ता सदैव तत्पर रहा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने कार्यकर्ताओं के भव्य भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में डबल इंजन की सरकार भाजपा के कार्यकर्ताओं के दम पर ही बना है और जब तक ट्रिपल इंजन की सरकार नहीं बनेगी तब तक चिरमिरी शहर का विकास होना संभव नहीं है इसीलिए भारतीय जनता पार्टी के चालीस के चालीस वार्डों के पार्षद एवं महापौर कैंडिडेट्स की यह ज़िम्मेदारी है कि वे प्रचंड बहुमत से जीतें। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी ना सिर्फ देश मगर पूरे विश्व के समस्त राजनैतिक दलों से बिल्कुल अलग है क्योंकि अन्य पार्टियों में परिवारवाद, वंशवाद, राजशाही राजतंत्र है, जवाहर लाल नेहरू,इंदिरा गांधी राहूल गांधी सोनिया गांधी बीच में राजीव गांधी इसके बाद प्रियंका गांधी, ये गांधी परिवार लगातार आज़ादी के 75 सालों में 70 साल कांग्रेस का नेतृत्व इन्हीं लोगों ने किया, ठीक इसी तरह आज चिरमिरी क्षेत्र में एक ही परिवार में विधायक भी बने महापौर भी बनें, इसके बाद फिर जब महापौर का नंबर आया फिर विधायक से महापौर बनने की ओर निकल पड़े, ऐसा संस्कार कांग्रेस पार्टी का ही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो एक साधारण से चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बना दिया, ठीक उसी तरह मेरे जैसे गांव में रहने वाले साधारण से किसान के बेटे को जिसके पिता जी हल चलाते थे, उसे टिकट दे कर विधायक बनाया और विधायक से कैबिनेट मंत्री बना दिया यह भारतीय जनता पार्टी है। उसी तरह चिरमिरी शहर का प्रथम महापौर डमरू बेहरा जो कि एक सामान्य से व्यक्तित्व वाले एक साधारण से एल आई सी एजेंट को उठा कर भारतीय जनता पार्टी ने टिकट दिया और रिकार्ड मतों से जीतने वाला महापौर बनाया, ठीक उसी तरह इस बार भी भारतीय जनता पार्टी ने हम और आप सभी के बीच के कार्यकर्ता जिनके पिता जी जो? कि एक सामान्य से कोलियरी मजदूर थे जिन्होंने ने जम

खम से ले कर लगातार भारतीय जनता पार्टी तक उन्होंने एहम भुमिकाएं निभाई जिसके बाद उनके सुपुत्र राम नरेश राय जो किसी आसमान से आ नहीं टपके, हम सभी के बीच से ही आए हैं, राम नरेश राय जैसे साधारण से कार्यकर्ता जो हमेशा पार्टी के हर एक बैठक में सम्मिलित होते थे मगर पीछे रहते थे, विधि प्रकोष्ठ का जिला सह संयोजक कोरिया जिले का दायित्व इन्होंने बड़ी बखूबी संभाला, दो बार विधानसभा चुनाव में मेरे ही चुनाव में इलेक्शन एजेंट का कार्य भी किए, और जब भी पार्टी का कोई कार्यक्रम हो अपने वकालत पेशे से समय निकालकर पार्टी को सदैव महत्व भी दिया। पुर्व विधायक तो खुद कहते हैं कि भाजपा का प्रत्याशी उनके लेवल का स्तर का नहीं है, तब ज़रा ये बताएं कि राजनीति में पार्टियां केवल पूंजिपतियों पैसे वालों को टिकट देते रहें, तो भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को ध्यान देती है मगर यदि इनकी तरह केवल पैसे वालों को टिकट देते रहें तो समाज के जो बुद्धिजीवी वर्ग हैं किसान हैं मजदूर हैं क्या इन्हें विधायक महापौर बनने का कोई अधिकार नहीं है? उन्हें भी पूरा अधिकार है। तो उसी तरह ऐसे महापौर प्रत्याशी जो कोलियरी मजदूर का बेटा जो कि पेशे से एडवोकेट हैं ऐसे व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी ने टिकट दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि पुर्व विधायक विनय जयसवाल ने ही कॉन्फ्रेंस में बयान दिया था कि उनके अपने ही पार्टी के उच्च पदाधिकारी चंदन यादव ने विधानसभा टिकट के लिए सात लाख रूपए उनसे लिए और पैसे के लेन देन के बाद टिकट कटा, और जब पुर्व विधायक एवं कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी डॉ. विनय जायसवाल ने आरोप लगाया तो पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए पार्टी से बाहर कर दिया। फिर इसके बाद उन्होंने पैसा दिया और इन सबके बाद भी कांग्रेस पार्टी ने उन्हें वापस ले लिया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने कार्यक्रम में सभी लोगों से पुछा कि पुर्व विधायक डॉ विनय जयसवाल का महापौर के लिए कोई नामोनिशान था क्या? कोई विधायक से महापौर बनता है क्या? चलते चलते लोग आगे बढ़ते हैं मगर कोई उल्टे पांव वापस पीछे की और चलता है क्या? लेकिन कांग्रेस से जितने कैंडिडेट थे जिनमें कई लोग निर्दलीय लड़ रहे हैं, कई लोग उनसे आक्रोशित हैं, वापस से टिकट ला कर किसी गरीब व्यक्ति का तो किसी मजदूर व्यक्ति का हक मारने का काम किया, मगर यह हमारी भारतीय जनता पार्टी है जिसमें एक मजदूर का पैसा जिसके खून पसीने की कमाई का पैसा चुनाव में लग रहा है, तो दूसरी ओर पैसे वाला व्यक्ति है, तो यह मुकाबला पैसा और पसीने का है, यह चुनाव पैसा बनाम पसीना है।

अंततः आशा महेश साहू ने छोड़ी जिला पंचायत सीट, जनपद सदस्य के लिए दाखिल किया नामांकन

घटती घटना
क्या जिला पंचायत के चुनावी मैदान से पीछे हटेगी विधायक की बी टीम?

» घटती-घटना की खबर पर फिर लगी मुहर...

» क्या विधायक पुत्री गीता राजवाड़े के लिए मैदान से बाहर हुईं आशा साहू?

- रवि सिंह -
बैकुंठपुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

अंततः आशा महेश साहू ने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय ले ही लिया और उन्होंने जनपद सदस्य के लिए नामांकन दाखिल कर दिया।

बता दें कि घटती घटना ने पहले ही यह अंदेशा जाहिर किया था कि आशा महेश साहू जिला पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं लड़ेंगी । वैसे क्या उनका यह निर्णय केवल इसलिए सामने आया क्योंकि उन्होंने यह निर्णय बैकुंठपुर विधायक की पुत्री को जीत दिलाने के लिए लिया है यह भी सवाल उठ रहा है। माना जा रहा है कि आशा महेश साहू और बैकुंठपुर विधायक के बीच कोई न कोई बातचीत हुई है जिसके कारण उन्होंने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।

आशा महेश साहू अब जनपद सदस्य का चुनाव लड़ेंगी और वह जिला पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं लड़ने वाली हैं।बता दें कि आशा महेश साहू की चर्चा तब भी हुई थी जब वह अपने समर्थकों के साथ भाजपा के विधायक की जीत का जश्न मनाते सोशल मीडिया पर नजर आई थीं और तब माना गया था कि उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध किया था उनके विरुद्ध चुनाव में कार्य किया था। वैसे आशा महेश साहू ने ऐसा इसलिए किया था क्योंकि इस बीते विधानसभा चुनाव में उनकी भी दावेदारी कांग्रेस

आलाकमान तक जोरदार तरीके से पहुंची थी और ऐसा कहा जाता है और उनका खुद का मानना था कि उनकी दावेदारी पूर्व विधायक और उनके समर्थकों ने खत्म करा दी थी और इसके लिए उन्होंने आशा महेश साहू को भाजपाई तक साबित कर दिया था वहीं तब उनका संपर्क वर्तमान विधायक और तब के भाजपा प्रत्याशी से हुआ था और यही कारण है कि उन्होंने अपनी दावेदारी समाप्त कर ली जिला पंचायत सदस्य सीट से और विधायक की पुत्री के लिए मैदान खाली छोड़ दिया। वैसे अब उक्त जिला पंचायत सीट से कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार पूर्व विधायक के प्रतिनिधि साथ ही सबसे खास समर्थक रामकृष्ण साहू की धर्मपत्नी होंगी जो या तो जीतकर आयेंगी या वह बलिदानी कहलाएंगी।

क्या कोरिया जिले में नर्सिंग होम एक्ट का हो रहा उल्लंघन,बिना लाइसेंस हो रहे आंखों के ऑपरेशन?

जिला प्रशासन की चुप्पी से मरीजों की जिंदगी खतरे में?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और जिला प्रशासन की अनदेखी के चलते नर्सिंग होम एक्ट का खुला उल्लंघन हो रहा है। बिना लाइसेंस के आंखों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं, जिससे मरीजों की जिंदगी खतरे में पड़ रही है। हाल ही में 4 मरीजों को ऑपरेशन के बाद इंफेक्शन हो गया था, लेकिन समय रहते पटना के एक चिकित्सक की सतर्कता से उनकी आंखें बचा ली गईं।

गाइडलाइन की अनदेखी, 60 मरीजों को किया एडमिटः नियमों के अनुसार, एक बार में केवल 20 मरीजों का ऑपरेशन किया जा सकता है, लेकिन जिला अंधत्व निवारण समिति के नोडल अधिकारी ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए 60 मरीजों को एडमिट कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्तमान सीएमएचओ को इसकी जानकारी तक नहीं थी। जब उन्हें सूचना मिली, तो उन्होंने तुरंत ऑपरेशन को निरस्त कर दिया। वहीं, पटना सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन पहले से ही प्रतिबंधित है और बैकुंठपुर में भी गाइडलाइन का पालन नहीं करने के कारण ओपीडी बंद है। लेकिन इसके बावजूद नोडल अधिकारी ने अपने निजी मकान में देर रात तक अवैध रूप से ऑपरेशन करना जारी रखा है।

निजी मकान में हो रहे अवैध ऑपरेशनः- मामले के सूत्रों के अनुसार, नोडल अधिकारी पहले महलपारा में डॉ. एन.एन. सिंह के किराए के मकान में ऑपरेशन कर रहे थे। जब शिकायतें बढ़ीं, तो उन्होंने वहां से हटकर महलपारा में अपने आलीशान भवन में बिना लाइसेंस ऑपरेशन शुरू कर दिए। यह पूरी तरह से अवैध है और मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

जिला प्रशासन की चुप्पी पर सवाल? आंखों जैसे संवेदनशील ऑपरेशन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि जिला कलेक्टर का इन नोडल अधिकारी पर विशेष आशीर्वाद है, जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी जारी है। पूर्व कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के कार्यकाल में भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

जरूरी है सख्त कदमः- नर्सिंग होम एक्ट के तहत बिना लाइसेंस ऑपरेशन करना गंभीर अपराध है। जिला प्रशासन को चाहिए कि वह इस पर तुरंत रोक लगाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले नोडल अधिकारी को उनके पद से हटाकर कानूनी कार्रवाई करे। मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

CMYK

अध्यक्ष और पार्षद चुनने के लिए दो बार बटन दबाने होंगे

नगर पंचायत पटना के अंतर्गत 15 मतदान केंद्रों में रखी जाएंगी 2 बैलेट यूनिट,अध्यक्ष के लिए सफेद और पार्षद के लिए गुलाबी रंग में होगा चुनाव चिन्ह

-संवाददाता-
कोरिया,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 अंतर्गत नगर पंचायत पटना के 15 वार्डों में पार्षद पद सहित अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए 11 फरवरी को मतदान होगा।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा इस सम्बंध में मतदाताओं को जागरूक करने और अपने मताधिकार का सही तरीके से ईवीएम में उपयोग करने के लिए आज मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डी.डी. मंडावी एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री उमेश पटेल की उपस्थिति में मास्टर्स ट्रेनर्स ने मीडिया प्रतिनिधियों को चुनाव में प्रयुक्त हो रहे एम-2 मशीन के सम्बंध में विस्तार से जानकारी देते हुए मतदान के दौरान अपने पसंद के उम्मीदवार को बैलेट यूनिट में मतदान करने के तरीकों को बताया। उन्होंने जानकारी दी गई कि मतदाता को एक ही बैलेट बटन में एक अध्यक्ष पद के लिए और एक पार्षद के लिए दबाना होगा, इस दौरान बीप की आवाजें भी सुनाई देंगी। बैलेट यूनिट में नोटा और इंड का विकल्प भी होगा। पटना नगर पंचायत के रिटर्निंग अधिकारी श्री उमेश पटेल ने बताया कि आम नागरिकों को भी ईवीएम से वोट डालने के सम्बंध में वार्ड स्तर पर जागरूक किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यशाला में मीडिया प्रतिनिधियों को बताया गया कि मतदाताओं को मतदान केंद्र में अपना पहचान पत्र लाना होगा। मतदान केंद्रों में मतदान दलों के अधिकारियों द्वारा नाम एंट्री करने, तर्जनी उंगली में स्याही लगाने और स्लीप देने के पश्चात क्रमवार मतदाताओं को बूथ में लगी ईवीएम मशीनों में वोट डालना है।

सायबर अपराध के खिलाफ कोरबा पुलिस की प्रभावी कार्रवाई करते हुए 6,81,959 की राशि को किया गया सुरक्षित

-संवाददाता-
कोरबा,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

सायबर अपराध से बचाव हेतु जागरूकता और सतर्कता बनाए रखने की अपील के साथ पुलिस ने जानकारी दी की वर्ष 2025 जनवरी माह में कोरबा जिले में सायबर अपराधियों द्वारा लगभग 160 नागरिकों को फोन कॉल, ओटीपी साझा करने, फर्जी लिंक, ऑनलाइन शॉपिंग के बहाने, गलत हेल्पलाइन नंबर, और अन्य प्रलोभनपूर्ण तरीकों से ठगी का प्रयास किया गया। सायबर फ्रॉड के शिकार लोगों ने सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सायबर सेल कोरबा द्वारा तत्परता से कार्रवाई की गई और कुल ?6,81,959/- की राशि को सुरक्षित कराया गया। इसके अतिरिक्त, 45 होल्ड खातों की पहचान कर ली गई है और संबंधित शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी राशि वापस करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

कोरबा पुलिस द्वारा जिले के नागरिकों से अपील की गई के वे सायबर अपराध से बचाव के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण सावधानियां बरतें =

1. किसी अज्ञात व्यक्ति को अपना ओटीपी, पासवर्ड, बैंक डिटेल्स या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।
2. अनजान लिंक या संदिग्ध वेबसाइटों पर क्लिक न करें और किसी फर्जी या अविश्वसनीय साइट पर ऑनलाइन लेन-देन से बचें।
3. गलत हेल्पलाइन नंबर पर कॉल न करें, हमेशा अधिकृत और प्रमाणित हेल्पलाइन नंबर का ही उपयोग करें।
4. सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचें और अपनी गोपनीयता सेटिंग्स को सुरक्षित रखें।
5. फ्री गिफ्ट, लॉटरी या इनाम के झांसे में न आएं, खासकर जब आपसे शुल्क या व्यक्तिगत जानकारी मांगी जाए।
6. सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करते समय ऑनलाइन बैंकिंग या संवेदनशील जानकारी साझा करने से बचें।
7. मोबाइल और कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें और समय-समय पर अपडेट करें।
8. अज्ञात ईमेल या मैसेज में आए अटैचमेंट या लिंक को न खोलें, यह फिशिंग अटैक का हिस्सा हो सकते हैं।
9. ऑनलाइन खरीदारी के समय केवल सुरक्षित और विश्वसनीय वेबसाइटों का ही उपयोग करें।
10. यदि आपको किसी लेन-देन या कॉल पर संदेह हो तो तुरंत सायबर हेल्पलाइन पर कॉल करें। घटना के बाद जितनी जल्दी हो सके, शिकायत दर्ज करें। 24 घंटे के बाद रकम सुरक्षित कराना मुश्किल होता है, इसलिए समय पर सूचना देना बेहद जरूरी है।

कोरबा पुलिस सदैव आपकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आपकी सतर्कता और जागरूकता ही सायबर अपराधों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु 372 कर्मचारियों को 18 मास्टर ट्रेनर्स ने दिया प्रशिक्षण

नगरी निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के प्रेक्षक ने प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
एमसीबी,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार में आगामी नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान दलों की विकासखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल मनेन्द्रगढ़ में सुबह 11=00 बजे से आयोजित किया गया। जिसमें विकासखंड मनेंद्रगढ़ सहित नगरीय निकाय खोंगापानी, नई लेदरी, झगराखाण्ड के मतदान दलों की प्रशिक्षण के लिए सभी नगरी निकाय के 93 दलों के 372 कर्मचारियों को 18 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। नगरी निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के प्रेक्षक दुष्यंत कुमार रायस्त ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान नगरीय निकाय मनेंद्रगढ़ के रिटर्निंग ऑफिसर अनिल कुमार सिदार द्वारा ष्टद्यशष्द्म श्वह्लह्म्ह्ल के बारे में बताया गया। निरीक्षण में सुश्री श्रुति ध्रुव रिटर्निंग ऑफिसर झगराखांड और नई लेदरी के रिटर्निंग ऑफिसर प्रितेश राजपूत और वैशाली सिंह जनपद सीईओ मनेन्द्रगढ़ भी उपस्थित रही। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम सेट के माध्यम से दो पदों पर मतदान प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। उन्होंने बताया कि एक मतदान यूनिट में 16 पैनल होते हैं, जो 2 खंडों में विभाजित होंगें। पहले पैनल में महापौर/अध्यक्ष पद के नाम का उल्लेख होगा, इसके बाद के पैनलों में अभ्यर्थियों के नाम और निर्वाचन प्रतीक होंगे। अंतिम अभ्यर्थी के बाद के पैनल में ÷उपर्युक्त में से कोई नहीं(NOTA) का प्रावधान रहेगा। वही दूसरे पद में (पार्षद) के लिए भी इसी प्रकार पैनलों का विवरण रहेगा। यदि महापौर/अध्यक्ष के लिए पांच अभ्यर्थी हैं, तो दो पैनल अभ्यर्थियों की संख्या अनुसार छः तक होंगे और सातवां पैनल NOTA के लिए होगा। इसी प्रकार पार्षद पद के लिए आठवें पैनल से प्रारंभ होगा और 15वां पैनल NOTA के लिए होगा। 16वां पैनल लाल रंग का END बटन होगा, जिसे मतदान के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। यदि अभ्यर्थियों की संख्या अधिक है, तो अतिरिक्त मतदान यूनिट जोड़े जा सकते हैं, परंतु चार से अधिक नहीं। चार यूनिट के माध्यम से अधिकतम 56 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की जा सकती है, जिसमें पद, नाम, प्रतीक चिन्ह और NOTA पैनल शामिल हैं। प्रत्येक मतदाता को महापौर/अध्यक्ष और पार्षद पद के लिए अलग-अलग मतदान करने का अधिकार होगा। मतदान प्रक्रिया में प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग लेबल स्थापित किए जाते हैं। मतदाता अपनी इच्छा अनुसार संबंधित बटन दबाकर अपना मत अभिलिखित कर सकता है। यदि कोई मतदाता किसी भी अभ्यर्थी को मत नहीं देना चाहता है, तो वह NOTA बटन दबाकर यह दर्ज कर सकता है। यदि कोई मतदाता केवल एक पद के लिए मतदान करता है और END बटन दबाता है, तो इसे अंडर वोट (nder Vote) माना जाएगा। यदि वह किसी भी बटन को दबाए बिना END बटन दबाकर बाहर आता है, तो इसे नो वोट (NO VOTE / NFINISHED) कहा जाएगा। वहीं यदि कोई भी बटन दबाए बिना मतदान कक्ष से बाहर आता है, तो मतदान अधिकारी किसी भी स्थिति में बूथ के अंदर जाकर श्वह्ष्ठ बटन का उपयोग नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में वे मशीन को बंद कर पुनः चालू करेंगे और ईवीएम अगले मतदाता के लिए तैयार की जाएगी। सभी प्रकार के मतों का विवरण मतदान मशीन के कंट्रोल यूनिट में रिकॉर्ड किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर विजय गोपाल राव, श्रीकांत लांजेवार, संजय ताम्रकार, जसवंत डहरिया, देवेन्द्र साहू, मुकेश चौहान, भीमसेन भगत, स्मृति अग्रवाल, विवेक सिन्हा, कमरूद्दीन अंसारी, गणेश यादव, विनोद सोनी, नारायण तिवारी, सुरेन्द्र कुमार जायसवाल, डॉ. अमूल्यचंद झा, पारसमणि, डॉ. नसीमा बेगम अंसारी, लवकुश गुप्ता, रामशरण सिंह सहित अन्य मास्टर ट्रेनर एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दीपका पुलिस ने चोरी हुए 18 मोटरसाइकिल को जप्त करने के साथ 08 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

दीपका पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 18 चोरी की मोटर साइकिल जप्त की है और 9 लोगो को दिनांक 2/2/2025 को थाना लाया गया था। जिसमे 8 लोगों को अपराध क्रमांकः 27/2025 धारा 305(), 331(4), 112(2) BNS, अन्य अपराध क्रमांक= 21/2025, 28/2025, 29/2025, 30/2025 धारा 303(2), 3(5) BNS के अंतर्गत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए भेजा गया। जबकि जय सिंह पटेल थाने से फरार हो गया। फरार आरोपी जय सिंह पटेल पर पृथक से अपराध क्रमांक 31/2025 धारा 262 BNS के तहत एफआईआर दर्ज कर सरगर्मी से तलाश की जा रही है। गिरेफ्तार हुए आरोपी 1. बृजपाल सिंह धनुवार उर्फ बर्बरीक पिता समार सिंह धनुवार (50 वर्ष), साकिन दीपका बस्ती 2. मनोज कुमार रोहिदास पिता धनसिंह रोहिदास (36 वर्ष), साकिन कृष्णा नगर, दीपका 3. विदेशी यादव पिता विशम्बर लाल यादव (26 वर्ष), साकिन कृष्णा नगर, दीपका 4. अनिल यादव पिता पन्ना लाल यादव (27 वर्ष), साकिन तलाब पारा, दीपका 5. मनोज रोहिदास पिता धनसिंह रोहिदास (36 वर्ष), साकिन कृष्णा नगर, दीपका 6. मो. अफाफ पिता मो. मोबिन (23 वर्ष), साकिन अटल चौक, पसान 7. रूप नारायण गोंड पिता सुखलाल (21 वर्ष), साकिन लोकडहा, थाना पसान 8. समारू यादव पिता संतोष यादव (32 वर्ष), साकिन जांजगीर-चांपा।

प्रेक्षक ने नामांकन की प्रक्रिया का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
एमसीबी,03 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

स्थानीय नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक दुष्यंत कुमार रायस्त के द्वारा जनपद सदस्यों हेतु नामांकन की प्रक्रिया का निरीक्षण मनेन्द्रगढ़ तहसील कार्यालय में किया गया। उन्होंने इसके साथ ही लालपुर ग्राम पंचायत स्ट्रांग रूम, लालपुर प्रा.शा. 02 मतदान केन्द्र, मा.शा.मतदान केन्द्र कठौतिया, पंचायत चुनाव निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया कठौतिया एवं पानी टंकी से सामने वेयर हाउस का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री वैशाली सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, प्रोग्रामर उपेन्द्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगरीय निकाय निर्वाचनः अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम मशीन का हुआ रेंडमाइजेशन

-संवाददाता-
कोरिया,03 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

नगरीय निकाय आम निर्वाचन के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चन्दन त्रिपाठी की अध्यक्षता तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डी.डी. मंडावी, रिटर्निंग अधिकारी श्री उमेश पटेल की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ईवीएम का रेंडमाइजेशन किया गया। इस प्रक्रिया में नगर पंचायत पटना निर्वाचन के उम्मीदवार व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित प्रतिनिधियों को ईवीएम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही मास्टर ट्रेनर द्वारा ईवीएम से मतदान की प्रक्रिया को समझाया गया तथा प्रतिनिधियों की शंकाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। बता दें नगर पंचायत पटना में एक अध्यक्ष पद व 15 वार्डों के लिए पार्षद पद के लिए निर्वाचन होना है और 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमे से 30 यूनिट रखी जायेगी। निर्वाचन के दौरान मशीन में किसी तरह की खराबी आने पर तत्काल बदलने की कार्यवाही भी की जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त 15 मशीन भी रिजर्व में रखा जाएगा। इस सम्बंध में सभी को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी अभ्यर्थियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के तहत प्रचार-प्रसार करें, उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा की कि बिना अनुमति के रैली, जुलूस, सभा आदि कार्य करने पर कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय कलेक्टर,जिला-सरगुजा(अम्बिकापुर) छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0202407020300011/3 7/ब-121/2023-2024

::-ईश्तहार/सूचना पत्र::-

अपीलार्थी श्रीमती मीना पत्नि अमित कुजूर,उम्र 33 वर्ष,जाति उरांव निवासी ग्राम सहनपुर वार्ड नं0-12 जनपद पंचायत लुण्ड्रा थाना व तहसील लुण्ड्रा जिला-सरगुजा द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत नियम 3 छ0ग0 अपील एवं पुनरीक्षण 1995 के तहत इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण उत्तरवादी (1) मानमती पत्नि बाबूलाल निवासी ग्राम सहनपुर जनपद पंचायत लुण्ड्रा थाना व तहसील लुण्ड्रा जिला-सरगुजा छ0ग0 के इस न्याायालय में उपस्थिति के लिए प्रकरण दिनांक 20.02.2025 को नियत किया गया है।

अतः सभी उत्तरवादी को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 20.02.2025 को इस न्यायालय में दिन के 12.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादी के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 22/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

प्रभारी अधिकारी
कलेक्टर वाचक शाखा

नाम परिवर्तन सूचना

एतद् द्वारा आम जन को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती रीना सिंह पति स्व. लोकेश सिंह (LOKESH SINGH) का नाम परिवर्तन करवा रही हूँ चूकि मेरे पति के सम्पूर्ण दस्तावेजों में जैसे कि आधार कार्ड, पेनकार्ड, इत्यादि में लोकेश सिंह (LOKESH SINGH) है अतः उस स्थान पर लवकेश कुमार सिंह (LOKESH KUMAR SINGH) करवाने को सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करवा रही हूँ अतः मेरे पति स्व. लोकेश सिंह (LAOKESH KUMAR SINGH) करवाने को सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करवा रही हूँ अतः मेरे पति स्व. लोकेश सिंह (LOKESH SINGH) को लवकेश कुमार सिंह (LAOKESH KUMAR SINGH) के नाम से जाना जाये।

भवदीय
रीना सिंह

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रश्मि बरियार पत्नी धनंजय बरिया उम्र लगभग 37 वर्ष निवासी शंकरगढ़ वर्तमान निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर सीट नम्बर 02 स्थित भूखण्ड क्रमांक 821/2 रकबा 0.03/0.012 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा- आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/02/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 30/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नज़ूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयलाल राम पैंकरा पिता रामेश्वर पैंकरा जाति कंवर निवासी रकेली तहसील उदयपुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 256/15 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया हैजो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 17/02/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 31/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब-21/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यमेव सिंह आ0 शिवजी सिंह निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 को ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 9/27 , 9/169 रकबा 0.100 एकड़ एवं 549.12 वर्गमीटर के अंश रकबा 20×20=400 वर्गमीटर पर पेट्रोल/डीजल पम्प स्थापित किये जाने के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन कार्यालय जिला दण्डाधिकारी सरगुजा अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोइ आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/2/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषके के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आप्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के लिए 4- 8 फरवरी तक गुवाहाटी में होगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) ने सोमवार को कहा कि बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के लिए पांच दिवसीय तैयारी शिविर 4 से 8 फरवरी तक गुवाहाटी के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किया जाएगा। बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप 11 से 16 फरवरी तक चीन के किंगदाओ में खेली जाएगी। भारतीय टीम 8 फरवरी की रात को चीन के लिए रवाना होगी।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन 14 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।

डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए दो टीमों ने किया रिप्लेसमेंट का ऐलान

» इन खिलाड़ियों को मिला मौका

यूएई,03 फरवरी 2025। महिला प्रीमियर लीग की मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपने विदेशी खिलाड़ियों की सूची में कई बदलाव करने पड़े हैं, क्योंकि चोटिल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले लिया है। आरसीबी ने पहले ही सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लिश ऑलराउंडर चार्ली डीन को साइन कर लिया था और अब हीथर ग्राहम और किम गर्थ की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को भी टीम में शामिल किया है।

आरसीबी में शामिल हुए ये प्लेयर्स

तेज गेंदबाज ऑलराउंडर ग्राहम, जो पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं, डिवाइन की जगह लेंगे, जबकि गर्थ इंग्लैंड की तेज गेंदबाज केट क्रॉस की जगह डब्ल्यूपीएल में वापसी करेंगे, जिन्होंने 2024 में आरसीबी के खिताब जीतने वाले अभियान में एक भी मैच नहीं खेला था। आरसीबी ने एक्स पर एक बयान में इस बात की पुष्टि की है कि कीवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन अपनी भलाई के लिए क्रिकेट से ब्रेक ले रही हैं और इंग्लिश स्पीडस्टर केट क्रॉस पीठ की चोट के कारण इस सीजन से बाहर हो जाएंगी। अनुभवी गार्थ तेज गेंदबाजी आक्रमण में गहराई लाएंगे, जिन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए खेलते हुए डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन में पांच विकेट लिए थे। आरसीबी को एलिस पेरी की फिटनेस पर चिंता है, ऐसे में गार्थ का शामिल होना सही समय पर हुआ है, क्योंकि रेणुका सिंह ठाकुर एकमात्र अन्य अनुभवी भारतीय विकल्प हैं और अब हीथर ग्राहम भी टीम में शामिल हो गई हैं।

यूपी की टीम में हुए बदलाव

दूसरी ओर, यूपी वॉरियर्स को भी अपनी टीम में आखिरी समय में बदलाव करना पड़ा क्योंकि कप्तान एलिसा हीली अपने दाहिने पैर में तनाव की चोट के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लगी चोट के बाद से हीली प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी नहीं कर पाई हैं और उन्होंने कहा कि वह एशेज के बाद दो महीने तक आराम करना चाहती हैं और इस समस्या को हमेशा के लिए सुलझाना चाहती हैं। वॉरियर्स ने हीली की जगह वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपए में खरीदा। हेनरी ने यूएई में टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था और वह ऑलराउंडर के तौर पर ताहलिया मैकग्राथ की जगह लेंगी।
वॉरियर्स को अब एक नया कप्तान भी नियुक्त करना होगा। चूंकि दीप्ति शर्मा हीली की डिप्टी थीं, इसलिए वह इस पद के लिए शीर्ष दावेदार होंगी, जब तक कि जॉन लुईस और कंपनी अलग दिशा में जाने का विकल्प नहीं चुनती। डब्ल्यूपीएल का तीसरा सीजन 14 फरवरी को वडोदरा में शुरू होगा, जिसमें गुजरात जायंट्स का सामना पहले मैच में गत विजेता आरसीबी से होगा।

वूमन यू19 टी 20 वर्ल्ड कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान

» 4 भारतीय प्लेयर्स को मिली जगह

नई दिल्ली,03 फरवरी 2025। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर महिला अंडर-19 टी 20 वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीता है। इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय प्लेयर्स ने कमाल का प्रदर्शन किया। आईसीसी ने महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है। खास बात ये है कि इसमें चार प्लेयर्स को जगह मिली है। इनमें गोंगाडी त्रिशा, जी कमलिनी, वैष्णवी शर्मा और आयुषी शुक्ला को शामिल किया गया है। आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में कप्तानी की जिम्मेदारी कायला रेनेके को मिली है।

गोंगाडी त्रिशा ने टूर्नामेंट में बनाए सबसे ज्यादा रन

गोंगाडी त्रिशा ने भारतीय टीम के लिए महिला अंडर-19 में टी20 वर्ल्ड कप 2025 में दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में तीन विकेट झटके। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए 44 रन बनाए। उनकी वजह से ही टीम इंडिया फाइनल मुकाबला जीतने में सफल रही। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 309 रन बनाए। दमदार खेल की वजह से ही उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला। उनकी ओपनिंग पार्टनर जी कमलिनी ने 143 रनों का योगदान दिया।

वैष्णवी शर्मा ने हासिल किए थे 17 विकेट

वैष्णवी शर्मा महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट के 6 मैचों में कुल 17 विकेट अपने नाम किए। उनके अलावा आयुशी शुक्ला ने कुल 14 विकेट अपने नाम किए। इन प्लेयर्स के आगे विरोधी टीम की बल्लेबाज टिक नहीं पाईं। इन दोनों ने टीम इंडिया को खिताब जिताने में अहम भूमिका अदा की।

साउथ अफ्रीका की प्लेयर को बनाया गया कप्तान

दक्षिण अफ्रीका की जेम्मा बोथा, इंग्लैंड की डेविना पेरिन और ऑस्ट्रेलिया की काओइमहे ब्रे को भी टीम में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की कायला रेनेके को टीम की कप्तान नियुक्त किया गया है। श्रीलंका की चामोदी प्रबोदा, नेपाल की पूजा महतो और इंग्लैंड की केटी जोन्स टीम की अन्य प्लेयर्स हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज नथाबिसेंग निनी को 12वीं खिलाड़ी रखा गया है।

महिला यू 19 टी 20 वर्ल्ड कप 2025 के लिए आईसीसी द्वारा घोषित टीम ऑफ द टूर्नामेंटः
कायला रेनेके (कप्तान), गोंगाडी त्रिशा, जी कमलिनी, वैष्णवी शर्मा, आयुषी शुक्ला, जेम्मा बोथा, डेविना पेरिन, काओइमहे ब्रे, चामोदी प्रबोदा, पूजा महतो, केटी जोन्स। नथाबिसेंग निनी (12वीं प्लेयर)

टीम इंडिया के सबसे बड़े दुश्मन की ऑस्ट्रेलिया में धूम

» ट्रेविस हेड ने जीता ये बड़ा अवॉर्ड

मेलबर्न,03 फरवरी 2025। टीम इंडिया को पिछले कुछ सालों में जिस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा परेशान किया है, वो है ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड। 2023 वर्ल्ड कप फाइनल हो या 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल। इन दोनों ही फाइनल मुकाबलों में ट्रेविस हेड ने भारत के खिलाफ शानदार पारी खेली और दोनों ही बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया। हाल ही में खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी हेड ने भारत के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया। यही वजह है कि ट्रेविस हेड को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अवॉर्ड्स में सबसे बड़े मेडल से नवाजा गया है।

हेड के लिए शानदार रहा पिछला साल

ट्रेविस हेड को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अवॉर्ड्स में एलन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया गया। हेड ने पहली बार ये बड़ा अवॉर्ड अपने नाम किया। पिछला साल इस धाकड़ बल्लेबाज के लिए काफी शानदार रहा। साल 2024 में हेड के बल्ले से तीनों फॉर्मेट में 43.24 की औसत से कुल 1427 रन आए, जिसमें पांच अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं। हेड ने पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे स्टार खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए एलन बॉर्डर मेडल जीता। हेड को 208 वोट मिले जबकि जोश हेजलवुड को 158 वोट मिले। वहीं, पैट कमिंस 147 वोट ही हासिल कर सके। हालांकि जोश हेजलवुड शेन वार्न मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीतने में सफल रहे जीता, जबकि ट्रेविस हेड मेन्स वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर बने और एडम जम्पा ने मेन्स टी 20 आई अवॉर्ड अपने नाम किया।

सदरलैंड ने जीता बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड

दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया की धाकड़ महिला ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड जीता। एनाबेल ने साल 2024 में सभी फॉर्मेट में 46.94 की औसत से 798 रन बनाए और 20.82 की औसत से 34 विकेट झटके। बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड की रेस में दूसरे स्थान पर रहीं एशले गार्डनर को 143 वोट मिले, जबकि बेथ मूनी 115 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।
ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अवॉर्ड के विजेता
बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड - एनाबेल सदरलैंड
एलन बॉर्डर मेडल - ट्रेविस हेड
महिला वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर - एश्ले गार्डनर
महिला टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर - बेथ मूनी
शेन वॉर्न पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर - जोश हेजलवुड
पुरुष वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर - ट्रैविस हेड
पुरुष टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर - एडम जाम्पा

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी सनम तेरी कसम

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारर रोमांटिक फिल्म सनम तेरी कसम' सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि प्रशंसकों की मांग पर 7 फरवरी को एक बार फिर से इंदर' और सुरु' की कहानी दिखाई जाएगी।साल 2016 में रिलीज हुई हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की फिल्म सनम तेरी कसम' को दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला। फिल्म को प्रशंसकों से मिले प्यार पर अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने कहा, सनम तेरी कसम' के लिए प्यार कभी कम नहीं हुआ। फिल्म की री-रिलीज को लेकर देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों की अपील को देखना उत्साहजनक है। इस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है और एक बार फिर से बड़े पर्दे पर इसके जादू को देखना एक ऐसी भावना है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इस प्रेम कहानी को जिंदा रखने के लिए धन्यवाद !फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, जब से सनम तेरी कसम' रिलीज हुई, इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली। रिलीज के इतने सालों बाद भी प्रशंसकों ने इसके फिर से रिलीज होने के लिए जोर दिया है, यह इस बात का सबूत है कि इसका कितना प्रभाव पड़ा है। हम इसे 7 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करने के लिए उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि पुराने और नए दोनों दर्शक एक बार फिर इसके सदाबहार रोमांस का अनुभव करेंगे।जानकारी के अनुसार सनम तेरी कसम की री-रिलीज को लेकर बिहार समेत देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों ने मांग करते हुए प्यार का इजहार किया। प्रशंसकों की मांग पर फिल्म निर्माताओं ने फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला लिया।राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन में बनी फिल्म सनम तेरी कसम' 7 फरवरी को सिनेमाघरों में वापसी करने के लिए तैयार है।फिल्म में हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन के साथ मनीष चौधरी, मुरली शर्मा, अनुराग सिन्हा, विजय राज, सुदेश बेरी, कमल अदिब के साथ ही अन्य सितारे अहम भूमिका में थे।

हिट:द थर्ड केस के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग करने के लिए तैयार नानी

साउथ के नेचुरल स्टार नानी इस समय कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और उनकी आने वाली फिल्म हिट- द थर्ड केस काफी चर्चा बटोर रही है। इन दिनों नानी अपनी फिल्म हिट 3 की शूटिंग में व्यस्त हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म की शूटिंग के कश्मीर शेड्यूल से अभिनेता की एक तस्वीर वायरल हुई थी। वहीं, अब इसकी शूटिंग पर नया अपडेट सामने आया है।नानी ने अपनी फिल्म की शूटिंग काफी हद तक पूरी कर ली है। अब खबर है कि नानी मार्च, 2025 तक फिल्म का फिल्मांकन पूरा कर लेंगे। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित हिट 3 में नानी ने अर्जुन सरकार की भूमिका निभाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का एक लंबा शेड्यूल शिमला और अन्य उत्तर भारतीय क्षेत्रों में शूट किया गया है। अभिनेता और फिल्म की टीम अगले महीने में अंतिम शेड्यूल शुरू कर सकते हैं और फिल्म को खत्म कर सकते हैं।क्रिसमस 2024 पर नानी ने हिट 3 से अर्जुन सरकार के रूप में अपना पहला लुक साझा किया था। फोटो में उन्हें एक अनोखे सॉल्ट-एंड-पेपर हेयरस्टाइल और दाढ़ी में देखा गया था, जिसने प्रशंसकों और दर्शकों का ध्यान खींचा। हिट 3 लोकप्रिय हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। नानी हिट फ्रेंचाइजी में शामिल होने वाले तीसरे अभिनेता हैं, जिसमें पहले विश्वक सेन और अदिवी सेश जैसे अभिनेताओं ने अभिनय किया था।नानी के अलावा फिल्म में श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में होंगी। इससे पहले इंस्टाग्राम पर अपने लुक का परिचय देते हुए नानी ने लिखा, पुलिस कम। अपराधी ज्यादा। अर्जुन सरकार ने कार्यभार संभाला। नानी 32 अब हिट द थर्ड केस है। खून के दरवाजे 1 मई 2025 को खुलेंगे। फिल्म में उनके किरदार से पता चलता है कि वह पुलिस वाले से कम और अपने तरीके से मामलों को सुलझाने वाले अपराधी से ज्यादा होंगे। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रशंसक अभिनेता को इस नए अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अरमान-अभिरा के लिए अपने प्यार की बली देगा ये शख्स

टीवी के सबसे पॉपुलर शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में टीआरपी के लिए जबरदस्त इमोशनल ड्रामा देखने को मिल रहा है। कहानी में ऐसे ट्विस्ट आ रहे हैं जो दर्शकों को हैरान कर रहे हैं। अब तक अपने दिल की बात छुपाने वाली चारू को देखा जो आखिरकार अपने प्यार का इजहार करने अभिर के पास जा रही है। वहीं आरके ऐसा कदम उठाने जा रहा है, जिससे अभिरा की जिंदगी बदल जाएगी। आइए जानते हैं इस ड्रामे में आगे क्या होने वाला है।चारू ने अब तक इस बात से इनकार किया है कि वह अभिरा से प्यार नहीं करती है,लेकिन जब दिल की आवाज को ज्यादा देर तक दबाया नहीं जा सका तो उसने फैसला कर लिया कि वह अभिर से शादी करने वाली है। उसने अरमान से कहा कि वह अभिरा से प्यार करती है और अरमान ने भी यही बात कियारा से कही।टीवी के सबसे पॉपुलर शो %ये रिश्ता क्या कहलाता है% में टीआरपी के लिए जबरदस्त इमोशनल ड्रामा देखने को मिल रहा है। कहानी में ऐसे ट्विस्ट आ रहे हैं जो दर्शकों को हैरान कर रहे हैं। अब तक अपने दिल की बात छुपाने वाली चारू को देखा जो आखिरकार अपने प्यार का इजहार करने अभिर के पास जा रही है। वहीं आरके ऐसा कदम उठाने जा रहा है, जिससे अभिरा की जिंदगी बदल जाएगी। आइए जानते हैं इस ड्रामे में आगे क्या होने वाला है। टीवी के सबसे पॉपुलर शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में टीआरपी के लिए जबरदस्त इमोशनल ड्रामा देखने को मिल रहा है। कहानी में ऐसे ट्विस्ट आ रहे हैं जो दर्शकों को हैरान कर रहे हैं। अब तक अपने दिल की बात छुपाने वाली चारू को देखा जो आखिरकार अपने प्यार का इजहार करने अभिर के पास जा रही है। वहीं आरके ऐसा कदम उठाने जा रहा है, जिससे अभिरा की जिंदगी बदल जाएगी। आइए जानते हैं इस ड्रामे में आगे क्या होने वाला है। चारू ने अब तक इस बात से इनकार किया है कि वह अभिरा से प्यार नहीं करती है, लेकिन जब दिल की आवाज को ज्यादा देर तक दबाया नहीं जा सका तो उसने फैसला कर लिया कि वह अभिर से शादी करने वाली है। उसने अरमान से कहा कि वह अभिरा से प्यार करती है और अरमान ने भी यही बात कियारा से कही। चारू ने अब तक इस बात से इनकार किया है कि वह अभिरा से प्यार नहीं करती है, लेकिन जब दिल की आवाज को ज्यादा देर तक दबाया नहीं जा सका तो उसने फैसला कर लिया कि वह अभिर से शादी करने वाली है। उसने अरमान से कहा कि वह अभिरा से प्यार करती है और अरमान ने भी यही बात कियारा से कही।हालांकि, कियारा ने इस रिश्ते में दखल न देने का फैसला किया है, लेकिन यह प्रेम कहानी इतनी आसान नहीं होने वाली है क्योंकि अब इनके रास्ते में कई मुश्किलें खड़ी होने वाली है। शो में अभिर और चारू के अलावा एक और नई लव स्टोरी देखने को मिलने वाली है।

दूसरी तरफ अरमान और अभिरा के रिश्ते में तनाव बढ़ता जा रहा है। अभिरा के एक्सीडेंट के बाद से ही दोनों के बीच दरार आ गई है। तलाक की तारीख भी तय हो गई है और जब अभिरा को पता चलता है कि अरमान ने तलाक देने का फैसला कर लिया है तो वह टूट जाती है। प्यार में इतना कुछ सहने के बाद क्या अभिरा और अरमान का रिश्ता टिक पाएगा?शो में नया मोड़ तब आएगा जब स्टाफ के वेश में अरमान के केबिन में घुसने वाले आरके को कुछ जरूरी दस्तावेज मिलेंगे। अभिरा की बेगुनाही साबित करने के लिए ये दस्तावेज बहुत जरूरी हैं। जब वो इन कागजों को बार काउंसिल के सामने पेश करता है तो फैसला अभिरा के पक्ष में आता है। वो बेगुनाह साबित होती है और उसका लाइसेंस भी वापस कर दिया जाता है। जैसे ही ये खबर संजय तक पहुंचती है तो वो भड़क जाता है। वहीं अरमान इस फैसले से काफी खुश है। देखना दिलचस्प होगा कि संजय आगे क्या कदम उठाता है और क्या ये जीत अभिरा और अरमान के रिश्ते को फिर से मजबूत कर पाएगी। ये रिश्ता क्या कहलाता है में के अपकमिंग एपिसोड में देखने को मिलेगा कि अरमान और अभिरा जल्द ही फिर से एक होने वाले हैं। यह देख आरके अपने प्यार का इजहार अभिरा से नहीं कर पाएगा।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

आईएएस बने छत्तीसगढ़ के 11 अफसर

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के राज्य प्रशासनिक सेवा के 11 अफसरों को आईएएस प्रमोट किया गया है। डीओपीटी ने इस संबंध में आज नोटिफिकेशन जारी किया है। डीओपीटी ने साल 2021, 2022 और 2023 की रिक्तियों के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का प्रमोशन किया है। आईएएस पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में हीना अनिमेश नेताम, अश्विनी देवांगन, डॉ रेनुका श्रीवास्तव,आशुतोष पांडेय,अजय कुमार अग्रवाल, रीता यादव, लोकेश कुमार, प्रकाश कुमार सार्वा, गजेंद्र सिंह ठाकुर, तनुजा सलाम और डॉ. संतोष कुमार देवांगन शामिल हैं।

7 जिलों के एसपी तथा बस्तर और बिलासपुर के आईजी रहे आईपीएस अरुणदेव गौतम होंगे छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी के लिए आईपीएस अरुणदेव का नाम फायनल बताया जा रहा है। आज शाम पुराने पुलिस

मुख्यालय में एक भवन के रिनोवेशन में डीजीपी अशोक जुनेजा की विदाई देने की भी खबरें मिली। अब सभी को औपचारिक आदेश की प्रतीक्षा है। नए डीजीपी का आदेश आज दोपहर तक निकल सकता है।अरुणदेव गौतम काफी सरल और सहज पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन,पुलिसिंग में उतने ही सख्त भी। सीएसपी, एएसपी और एसपी के दौरान लोगों ने उनकी पुलिसिंग देखी है।

सड़क पर बर्थडे मनाने पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बिलासपुर-रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। हाईकोर्ट ने रायपुर में आधी रात सड़क के बीचों-बीच कार रोककर बर्थडे मनाने के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए आज मामले की सुनवाई की। पूरे वाक्या में नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ निलंबन सहित विभागीय कार्रवाई का आदेश देते हुए मुख्य सचिव से शपथपत्र तलब किया है।

बीजेपी नेता और छॉलीवुड एक्टर राजेश अवस्थी का निधन

सीएम ने जताया शोक

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष राजेश अवस्थी का हार्ट अटैक से देर रात अस्पताल में निधन हो गया है। वे फिल्म अभिनेता प्रकाश अवस्थी के छोटे भाई हैं। राजेश भारतीय जनता पार्टी के साहित्यिक, संस्कृत मोर्चा के संयोजक रह चुके हैं।

प्रत्याशियों के मैदान छोड़ने से कांग्रेस में मची हाहाकार

- कांग्रेस में टिकट बेचने का मामला हाईकमान तक पहुंचा, हो सकता है बड़ा एक्शन
- कांग्रेस अध्यक्ष पर टिकट बेचने का आरोप लगाकर कांग्रेसियों ने ही डूबती नैया में कील ठोंक दी...
- पूरे प्रदेश में कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन, नेता न प्रचार कर रहे न समर्थन दे रहे...
- नगरीय चुनाव में फिसड्डी प्रदर्शन से कांग्रेसी बेचैन

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। कांग्रेस की सत्ता से बेपटरी होते ही नेताओं की बेचैनी इस कदर बढ़ गई कि वो अपने ही नेता को कटघरे में खड़े कर दिए है। इस मामले से पूरे प्रदेश में कांग्रेस खेमे में हाहाकार मचा हुआ है । हर कोई प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर टिकट बेचने का आरोप लगा रहा है और लगभग सभी कार्यकर्ताओं के मन में ये बात पक्के तौर पर घर कर गई है कि पार्षद से लेकर महापौर तक की टिकट दीपक बैज ने बेचे हैं । यह तो पूरी तरीक़े से तब और साबित हो गया जब पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि दीपक बैज ने पैसे लेकर टिकट बेच दी है और टिकट का गलत वितरण हुआ है। बड़े नेता दबे मन से यह बात कहने से भी नहीं चूकते हैं यह जब टिकट बिक्री हो ही गया है तो किस तरीक़े से कांग्रेस मैदान में दिखेगी। पूरे प्रदेश में कांग्रेस का हाल अब तक के छत्तीसगढ़ बनने से लेकर अभी तक सबसे बुरा देखने को मिला। कमोबेश पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस से बहुत आगे निकलते दिख रही है। लेकिन कांग्रेस में अभी तक टिकट के लड़ाई-झगड़े, आरोप-प्रत्यारोप और टिकट की लड़ाई से अभी तक चुनाव मैदान में जात के लिए नहीं उतर पाए हैं। दस दिन का शेष समय रह गया है। चुनाव अंतिम पायदान पर है और सिर्फ़ आठ दिन प्रचार के लिए है बचे हुए हैं।

कांग्रेस की वर्तमान स्थिति दयनीय

सभी नगर निगम और नगर पालिकाओं में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति एकदम दयनीय हो गई है और एक भी नगर पालिका और नगर निगम जीतने की उम्मीद नहीं है। चुनाव के उपरांत बड़े नेताओं के विरोध और चुनाव में बड़ी हार के कारण दीपक बैज प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जा सकते है। टिकट बेचने में इतनी आपा-धापी किया गया कि बिना जनाधार वाले चंद्र शेखर चक्रधारी नामक व्यक्ति को कांग्रेस ने पैसा लेकर मुंशी स्माइल वार्ड क्र. 23 का पार्षद टिकट दिया है। लेकिन बेईमानी से कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कांग्रेस संगठन के कमजोरी के कारण निर्दलीय के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव कांग्रेस पार्टी के खिलाफ ही लड़ रहा है जो राजनीतिक पार्टी के इतिहास में पहली बार देखने को मिलेगा। नगरीय निकाय चुनाव में संगठन की घोर और अति गंभीर लापरवाही सामने आई। जिसकी शिकायत बड़े नेता ने आला कमान से की है।

सभी आपसी खींचतान में लगे

लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ता न प्रचार में दिख रहे और न ही कोई नेता कांग्रेस का प्रचार प्रसार कर रहा है। सभी आपसी खींचतान में लगे हुए हैं और अब सब ये पता लगाने में लगे हैं। सट्टा-जुआ-गांजा-भू माफ़िया और बिल्डर लॉबी के कौन-कौन पार्षद प्रत्याशी पैसा देकर टिकट लेने में सफल हुए है। रायपुर में विवादित वार्डों की संख्या ज्यादा है। जैसे पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्र. 34, शंकर नगर वार्ड क्र. 30, स्वामी विवेकानंद सदर बाजार क्र. 44, शहीद राजीव पांडेय वार्ड क्र. 62, मोरेश्वर राव गेंद्रे वार्ड क्र. 59, लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड क्र. 56, इन्ही सब वार्ड में कांग्रेस मजबूत थी। लेकिन कार्यकर्ताओं के अनुसार टिकट का वितरण सही तरीके से नहीं होने से कांग्रेस इन वार्डों में पिछड़ती नज़र आ रही है और लगभग हार की कगार में है। वही महासमुंद के बसना के वार्ड क्रमांक 4 से कांग्रेस के प्रत्याशी रमेश दास, वार्ड क्रमांक 13 से कांग्रेस प्रत्याशी लक्ष्मी चंद गुप्ता, वार्ड क्रमांक 11 से कांग्रेस के अजय दास ने अपना नाम वापस लिया जिसके चलते इन सभी वार्डों में भाजपा के पार्षद निर्विरोध चुने गए है। बाकी अधिकांश वार्डों में कांग्रेस कड़े संघर्ष और पैसे के अभाव में। रायपुर शहर के ज़्यादातर वार्डों में कांग्रेस पार्टी स्पष्ट रूप से पिछड़ते हुए दिख रही है और ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस कहीं पहले चुनाव के दौड़ में भी नहीं है वही हाल दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा, चिरमिरी, रायगढ़, धमतरी और बस्तर में भी दिख रहा है । बड़े-बड़े नेताओं ने भी आला कमान से नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद टिकट से लेकर महापौर चुनाव तक की टिकट पूरे प्रदेश में टिकट बेचने का आरोप वर्तमान पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पर लगाया है।

भूमि क्रय नीति 2017 में हुआ संशोधन

- अब किसानों को मिलेगा चार गुना मुआवजा...

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नवा रायपुर अटल नगर परियोजना के तहत प्रभावित किसानों और भूमि-स्वामियों को मिलने वाले मुआवजे की दर में बड़ा बदलाव किया है। अब किसानों को उनकी जमीन के बदले कलेक्टर गाइडलाइन दर से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। पहले यह दर केवल दोगुना थी। इसके लिए राज्य सरकार ने नया रायपुर में आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2017 में संशोधन किया है।

किसानों को होगा बड़ा फायदा

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, इस नए निर्णय से प्रभावित किसानों को काफी लाभ मिलेगा। जिन किसानों ने अभी तक अपनी जमीन सहमति से नहीं दी है, वे अब अधिक कीमत पर जमीन बेच सकेंगे। इससे परियोजना क्षेत्र में अटके निर्माण कार्यों को भी गति मिलेगी, क्योंकि कुछ सड़क और अन्य निर्माण कार्य जमीन की कमी के कारण अधूरे पड़े हैं।

41 गांवों को कवर करती है परियोजना

नवा रायपुर अटल नगर परियोजना क्षेत्र में 41 गांव शामिल हैं। इनमें से लेयर-1 के गांवों में अधिकांश जमीन पहले ही सहमति या अधिग्रहण के माध्यम से ली जा चुकी है। हालांकि, कुछ किसानों की जमीन अभी भी सहमति से लेना बाकी है, जिन्हें अब चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, लेयर-2 और लेयर-3 के गांवों के प्रभावित किसानों को भी इसी नीति के तहत मुआवजा मिलेगा।

पुनर्वास नीति की मांग

नई राजधानी प्रभावित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष रूपन चंद्राकर ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम किसानों के हित में है। उन्होंने यह भी मांग की कि नवा रायपुर से लगे क्षेत्रों में जमीन की बाजार दर के चार गुना मुआवजा दिया जाए। साथ ही, प्रभावित किसानों के लिए एक पुनर्वास नीति भी बनाई जानी चाहिए, ताकि उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

5 वीं और 8 वीं की वार्षिक परीक्षाएं मार्च में

जारी हुई समय सारणी

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा कर दी है। यह परीक्षाएं मार्च महीने में आयोजित की जाएंगी। विभाग ने परीक्षा की समय सारणी भी जारी कर दी है, जिसके अनुसार दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह की पाली में होंगी। परीक्षाओं का आयोजन सुबह 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक किया जाएगा। छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे छात्रों को परीक्षा पैटर्न और सिलेबस के अनुसार तैयारी करवाएं।

भाई-भाई को कांग्रेस-बीजेपी ने चुनाव लड़वाया,लेकिन परिजन हैं खुश

धमतरी,03 फरवरी 2025 (ए)। नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखा जा रहा है। कहीं गुपचुप वाले, चाय वाले तो कहीं सगे भाई आमने-सामने मैदान पर हैं। ऐसा ही मामला धमतरी जिले के कुरुद से आया है, जहां नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-10 में 2 सगे भाई राष्ट्रीय पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। बड़े भाई को भाजपा तो छोटे भाई को कांग्रेस से पार्षद का टिकट मिला है। कुरुद नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 स्वामी विवेकानंद वार्ड में भाजपा ने कमलेश ध्रुव को अपना उम्मीदवार बनाया है।

वहीं कांग्रेस ने अर्जुन ध्रुव को मैदान में उतारा है। बड़ा भाई कमलेश 45 साल और छोटा भाई अर्जुन 33 साल के हैं। दोनों भाई कभी बचपन में एक साथ खेला करते थे. अब चुनावी मैदान में दोनों भाई आमने-सामने हैं।

बदहाल संजीवनी वाहनों को लेकर उच्च न्यायालय ने लिया संज्ञान

बिलासपुर-रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में संजीवनी 108 इमरजेंसी सेवा के गाड़ियों की बदहाल स्थिति की खबरों को संज्ञान लेकर जनहित याचिक के रूप में उच्च न्यायालय ने सुनवाई की है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई की. इस दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने संजीवनी 108 के वाहनों की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताई. मामले में विभागीय सचिव से जवाब मांगा गया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूरे राज्य में 108 वाहनों की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

भाजपा का 'अटल विश्वास पत्र' जारी

स्कूल, कॉलेजों और छत्तीसगढ़ की महातरियों के लिए ये बड़ा ऐलान

रायपुर,03 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसे अटल विश्वास पत्र का नाम दिया गया है।. भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में घोषणा पत्र जारी किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, घोषणा पत्र समिति के संयोजक अमर अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी सहित घोषणा पत्र समिति के सदस्य मौजूद रहे।भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, यह घोषणापत्र अटल जी की 100 वीं जयंती और 'अटल निर्माण वर्ष' के अवसर पर उनके योगदान और राष्ट्र निर्माण के दृष्टिकोण को सम्मानित करते हुए समर्पित किया गया है। घोषणापत्र को तैयार करने के लिए हमने प्रदेशव्यापी 'सुझाव संग्रहण अभियान' चलाया, जिसमें जनता से उनके सुझाव और अपेक्षाएं मांगी गईं। हमें हज़ारों सुझाव प्राप्त हुए, जिनमें से महत्वपूर्ण सुझावों को हमारी घोषणापत्र समिति ने शामिल किया. यह घोषणापत्र जनता की आकांक्षाओं और हमारी पार्टी के सेवा भाव का प्रतीक है।

घोषणा पत्र में क्या है खास...

नगर विकास के क्षेत्र में...

- नजूल भूमि के स्वामित्व के लिए नया कानून बनाएंगे और सभी पट्टा धारकों को भू-स्वामी बनाएंगे।
- रुकी हुई पीएम आवास-शहरी परियोजनाओं को तेज़ी से पूरा करेंगे और वर्तमान में स्वीकृत 3 लाख पीएमएवाई यू घरों का निर्माण सुनिश्चित करेंगे।
- जो लोग बिजली बिल और समेकित कर चुकाते हैं उन्हें आवास बनाने की पात्रता दी जाएगी। अवैध कॉलोनियों के लंबित आवेदनों का एक साल में निराकरण करेंगे।

नगरीय सेवाओं में सुधार...

- सिकल सेल एनीमिया मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने के लिए निगम क्षेत्रों में स्क्रीनिंग केंद्र स्थापित करेंगे और सभी मरीज़ों को सिकल सेल एनीमिया पहचान पत्र जारी करेंगे।
- नगर निगम की सेवाओं को डिजिटल और सरल बनाने के लिए 'माई सिटी ऐप' लॉन्च किया जाएगा, जिसमें सभी ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध होंगी।
- 'सरकार तुंहर द्वार' योजना के तहत शासकीय सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी सुनिश्चित करेंगे।
- हर जोन में एकीकृत सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे ताकि नागरिकों को बार-बार नगर निगम कार्यालय न जाना पड़े।
- निदान हेल्पलाइन के माध्यम से जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे।
- संपत्ति कर समय पर चुकाने वाले नागरिकों को 10 प्रतिशत की विशेष छूट और महिलाओं के नाम पर पंजीकृत संपत्तियों पर 25 प्रतिशत विशेष छूट दी जाएगी।

जल आपूर्ति और स्वच्छता...

- हम शुद्ध पेयजल आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए 'नल से जल' योजना को सुदृढ़ करेंगे, नए जल टैंक बनाएंगे और पुराने कुओं का संरक्षण और पुनरुद्धार करेंगे।
- शहरी स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक घर में कचरा बाल्टी प्रदान की जाएगी और स्मार्ट वेस्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से कचरा संग्रहण मार्गों की ट्रैकिंग की जाएगी।
- तालाबों की सफाई और जल संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए उन्हें एस.टी.पी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जोड़ा जाएगा।

महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं...

- महिलाओं और छात्राओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए विद्यालयों और महाविद्यालयों में मुफ्त सैनिटरी नैपकिन की सुविधा उपलब्ध कराएंगे।
- बाजार क्षेत्रों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट्स की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिससे वे साफ और सुरक्षित सुविधाओं का लाभ उठा सकें।
- इसके अतिरिक्त, महतारी वंदन योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूह लाभार्थियों को ₹2.5 लाख तक का ऋण और मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकें।

रोजगार और शिक्षा का विस्तार...

- प्रमुख नगर निकाय में नालंदा परिसर पर आधारित सार्वजनिक अध्ययन केंद्र शुरू करेंगे और पुस्तकालयों में सीटों की संख्या भी बढ़ाएंगे।
- रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हम राज्यभर में रोजगार मूलक स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करेंगे, जो युवाओं के लिए उद्यमशीलता, व्यक्तित्व विकास और रोजगार के अवसर को बढ़ाएंगे।
- यू.पी.एस.सी. मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को ₹1 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए प्रत्येक नगर निगम में 'महापौर सम्मान निधि' की स्थापना की जाएगी।
- इसके अलावा, हम विद्यालयों और महाविद्यालयों में मुफ्त वाई-फाई की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जिससे छात्र डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन संसाधनों का लाभ उठा सकें। यह कदम केंद्र सरकार के हालिया बजट में घोषित स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लक्ष्य के अनुरूप रहेगा।

स्ट्रीट वेंडर्स और व्यापारिक केंद्रों का विकास

- स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए पीएम स्वनिधि योजना के तहत ₹30,000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही, स्मार्ट वेंडिंग ज़ोन और फूड स्ट्रीट्स की स्थापना करेंगे।
- सड़क व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए एक समुचित नीति बनाएंगे।

प्रत्येक नगर निकाय के व्यावसायिक केंद्रों में बिजली, सड़क, शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

न्याय संगत कर प्रणाली

- उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर चार्ज) से जुड़ी समस्याओं का वाजिब समाधान करेंगे।
- समाधान योजना के माध्यम से बिना जुर्माना या ब्याज लगाए पुराने संपत्ति कर के लिए एकमुश्त निपटान की सुविधा देंगे।

शिक्षा विभाग ने 5 शिक्षकों पर किया कार्रवाई

3 प्रधान पाठक भी शामिल

बेमेतरा,03 फरवरी 2025(ए)। बेमेतरा में शिक्षा विभाग में पदस्थ शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। कलेक्टर ने तीन प्रधान पाठक, दो शिक्षकों को नोटिस जारी किया है। इसके पहले छह शिक्षकों को निर्वाचन कार्य में लापरवाही के चलते सस्पेंड किया गया था।बेमेतरा जिले में नगरीय निकाय आम निर्वाचन के अंतर्गत आयोजित मतदान दलों के प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन कार्यों में लापरवाही और उदासीनता बरतने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने तीन प्रधान पाठकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिन प्रधान पाठकों को नोटिस जारी किया गया है सुनील राजपूत (प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला मौहाभाटा), नवीन दास गोस्वामी (हेड मास्टर, शासकीय प्राथमिक शाला नवागांवखुर्द) और होरिलाल घृतलहरे (हेड मास्टर, शासकीय प्राथमिक शाला मुढ़िया) शामिल हैं। इन सभी शिक्षकों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं प्राप्त होता है, तो इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी। वहीं दूसरी बड़ी कार्रवाई बेमेतरा जिले के दो शिक्षकों को नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के लिए निर्वाचन ड्यूटी करने में असमर्थता व्यक्त करने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिक्षक एलबी गेंदराम डेहरे ग्राम जोगीपुर एवं चन्द्रिका प्रसाद शिक्षक एलबी ग्राम खैरझिटी द्वारा निर्वाचन ड्यूटी करने में असमर्थता व्यक्त की गई। इस पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने उन्हें निर्देशित किया है कि 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)